संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 78
पृष्ठ 8
शुक्रवार
05 दिसम्बर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में क्यों जरूरी है आंवले का....
विचार- एसआईआर पर नया विवाद...
खेल- रूट का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला...

संस्कृति समाप्त हो जाए तो पहचान को खो देता है राष्ट्र : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह–2025 के शुभारंभ अवसर पर स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र किया और कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, यह एक–दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय–समय पर अलग–अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी। जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं तो महापुरुषों के शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते है। महंत दिग्विजयनाथ महाराज द्वारा 1932 में गोरखपुर में स्थपित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह–2025 का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले स्मृतिशेष प्रो. यूपी सिंह व अन्य दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अगले छह वर्ष के अंदर होने वाले शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम के साथ बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षा परिषद व संस्थाओं के सामने 100 वर्षों की इस यात्रा के आत्ममंथन का अवसर है। यह समारोह इस पर आत्मावलोकन का अवसर प्रस्तुत कर रहा है कि छात्र के सर्वांगीण विकास, समाज व राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस रूप में किया है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापकों ने जो विराट लक्ष्य रखा है, वह समाज व राष्ट्र के प्रति हमारी सेवाएं–कर्तव्य के समय–समय पर मूल्यांकन का भी है। हमारे संस्थापकों ने छात्र–छात्राओं के सामने महाराणा प्रताप के रूप में आदर्श रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण, अपनी संकल्पना और भावना को बढ़ाने के लिए संस्थापकों ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। परिषद शिक्षा के विजन के साथ ही स्वास्थ्य, कृषि, महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराणा प्रताप पॉलीटेक्निक आदि के जरिए तकनीक पर जोर दे रहा है तो वहीं महिलाओं की शिक्षा, अन्नदाता किसानों के प्रशिक्षण के लिए महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र या अन्न संस्थाएं दूरदराज के क्षेत्रों में नए प्रयास को बढ़ाने के साथ ही कार्य कर रही हैं।

असाधारण हिम्मत और पक्के इरादे का दूसरा नाम है भारतीय नौसेना : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नौसेना दिवस के अवसर पर सभी भारतीय नौसेना कर्मियों को बधाई दी और नौसेना की बढ़ती आत्मनिर्भरता, दृढ़ संकल्प और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साहस की सराहना की। भारतीय नौसेना की उपलब्धियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1971 के युद्ध में नौसेना की सफलता का प्रतीक है, जब ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत भारतीय सेना ने पीएनएस खैबर सहित चार पाकिस्तानी जहाजों को डुबोकर पाकिस्तानी नौसेना को करारा झटका दिया था। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों को नौसेना दिवस की शुभकामनाएँ। हमारी नौसेना असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। वे हमारे तटों की रक्षा करते हैं और हमारे समुद्री हितों को बनाए रखते हैं। हाल के वर्षों में, हमारी नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था मज़बूत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल की दिवाली की यादें उन्हें हमेशा याद रहेंगी, जो उन्होंने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कर्मियों के साथ बिताई थीं। उन्होंने कहा, "भारतीय नौसेना को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।" एक वीडियो संदेश में, प्रधानमंत्री ने देश की समुद्री सीमाओं और आर्थिक जीवनरेखाओं की सुरक्षा में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समुद्र में, हमारी नौसेना देश की समुद्री सीमाओं और वाणिज्यिक हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। चाहे वह अपतटीय पेट्रोल पोत हों, पनडुब्बी हों या विमानवाहक पोत। आज, भारतीय नौसेना की ताकत तेजी से बढ़ रही है।

राज्यसभा में सांसदों ने उठाया प्रदूषण का मुद्दा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में गुरुवार को कई सदस्यों ने वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया और राष्ट्रीय राजधानी तथा आसपास के शहरों में वायु प्रदूषण के ऊंचे स्तर पर चिंता व्यक्त की। ओडिशा से बीजू जनता दल की सांसद सुलता देव ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया

है कि यहां लोगों के स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के दलों ने लोकसभा चुनाव के समय ष्400 पारष का जो नारा दिया था वह दिल्ली में सफल हो गया है, यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार 400 के पार है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण और विकास जरूरी है, लेकिन उद्योग लगाने के लिए पेड़ काटना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि जाड़े में देश के दूसरे शहरों की तुलना में दिल्ली में फेफड़ें से जुड़ी बीमारी की दवाओं की बिक्री 14 प्रतिशत ज्यादा होती है। यह दिखाता है कि यहां प्रदूषण के कारण लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। छोटे बच्चे भी अस्थमा की बीमारी का शिकार हो रहे हैं। कांग्रेस की रंजीत रंजन ने प्रदूषण के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को एक समान जिम्मेदार बताते हुए कहा कि देश के 60 प्रतिशत जिले प्रदूषण की चपेट में हैं। पहले दिवाली के बाद की सर्दी गुदगुदाती थी, लेकिन अब डॉक्टर दिवाली के बाद दिल्ली छोड़ देने की सलाह देते हैं। लेकिन हर व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं होता है। लोग प्रदूषण के कारण अपने घरों में बैठने के लिए मजबूर हैं, उनमें गुस्सा है। खिलाड़ी जॉगिंग के लिए नहीं जा पा रहे हैं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सुभाष बरला ने ई–कचरे का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि देश में हर साल 50 लाख टन ई–कचरा पैदा होता है। घरों से निकलने वाला ई–कचरा कहीं भी फेंक दिया जाता है। इनके भीतर रासायनिक प्रतिक्रिया से जहरीले पदार्थ उत्पन्न होते हैं। ई–कचरे को लोग खुले में जलाते हैं जिससे जहरीली गैस निकलती है।

बच्चों का दम घुट रहा! वायु प्रदूषण पर तत्काल रोक लगाएं

सोनिया गांधी का मोदी सरकार पर तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को केंद्र से दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने की मांग की और कहा कि बच्चे और बुजुर्ग इससे जूझ रहे हैं। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। छोटे बच्चे तो परेशान हैं ही, मेरे जैसे बुजुर्गों के लिए भी यह मुश्किल है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे को उठाया और आरोप लगाया कि कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता और जब प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए जाएँगे तो वह केंद्र के साथ खड़ा रहेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमें किस मौसम का आनंद लेना चाहिए? बाहर की स्थिति देखिए। जैसा कि सोनिया जी ने कहा, बच्चे साँस नहीं ले पा

रहे हैं। उन्हें अस्थमा है और उनके जैसे वरिष्ठ नागरिकों को साँस लेने में कठिनाई हो रही है। स्थिति साल–दर–साल बदतर होती जा रही है। हर साल सिर्फ़ बयानबाज़ी होती है, कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हम सभी ने कहा है कि सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए और हम सभी उनके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है कि हम एक–दूसरे पर उंगली उठाएँ। इससे पहले आज, विपक्षी सांसदों ने दिल्ली–एनसीआर और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र के ख़िलाफ़ संसद परिसर में मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों को ऑक्सीजन मास्क पहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए एक बैनर पकड़े देखा गया, जिस पर लिखा था, "मौसम का मज़ा लीजिए"। बैनर पर यह टिप्पणी संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के बाद आई है, जिसमें उन्होंने यह बात कही थी। नारे लगाते हुए, नेताओं ने वायु प्रदूषण पर संसदीय चर्चा की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

समुद्री सीमाओं की रक्षा करने वालों को सलाम करता है भारत : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को नौसेना दिवस के अवसर पर भारतीय नौसेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि साहस, सतर्कता और अटूट प्रतिबद्धता के साथ हमारी समुद्री सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले बहादुर पुरुषों और महिलाओं कोराष्ट्र सलाम करता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि व्यापार मार्गों की सुरक्षा, समुद्री अर्थव्यवस्था को मजबूत करने से लेकर मानवीय मिशनों का नेतृत्व करने तक भारतीय नौसेना अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को दर्शाती है। नौसेना दिवस देश की रक्षा में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। नौसेना दिवस के लिए चार दिसंबर को इसलिए चुना गया क्योंकि यह 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ नौसेना के पराक्रम की याद दिलाता है, जब नौसेना ने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई!

पुतिन की भारत यात्रा पर रार: राहुल गांधी बोले – विपक्ष को विदेशी नेताओं से मिलने नहीं देती सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को विपक्ष के नेता से न मिलने का सुझाव दे रही है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में विपक्ष के नेता विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिलने की परंपरा रही है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह एक परंपरा रही है। लेकिन इन दिनों, विदेशी गणमान्य व्यक्ति आते हैं, या जब मैं

विदेश जाता हूँ, तो सरकार उन्हें विपक्ष के नेता से न मिलने का सुझाव देती है। यह उनकी नीति है, और वे ऐसा हमेशा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय असुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सभी के साथ संबंध हैं। विपक्ष के नेता एक अलग दृष्टिकोण रखते हैं। हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा सिर्फ़ सरकार ही नहीं करती। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष बाहरी लोगों से मिले। मोदी जी और विदेश मंत्रालय इस नियम का पालन नहीं करते। यह उनकी असुरक्षा है। TASS की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के लिए रूस से रवाना हो गए हैं। रूसी मीडिया आउटलेट के अनुसार, रूसी प्रतिनिधिमंडल व्यापार और आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी, तथा सांस्कृतिक और मानवीय क्षेत्रों में सहयोग पर व्यापक चर्चा करेगा। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दे भी एजेंडे में होंगे। ज्] की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर के लिए दस अंतर–सरकारी दस्तावेज़ और दोनों देशों की वाणिज्यिक व गैर–वाणिज्यिक संस्थाओं के बीच 15 से अधिक समझौते और ज्ञापन तैयार किए जा रहे हैं। पुतिन 23वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आज शाम राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचेंगे।

भू–राजनीतिक बदलावों के बावजूद रिश्ते मजबूत– राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग को और गहराई देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को स्पष्ट कहा कि रूस अब भी भारत का श्रणनीतिक और भरोसेमंद साझेदारश है, खासकर रक्षा और तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में। रक्षा मंत्री यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 22वें भारत–रूस अंतर–सरकारी आयोग की मंत्रिस्तरीय बैठक में बोल रहे थे, जहां उनके रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलोउसॉव भी मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने कहा, रूस तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में भारत का रणनीतिक सहयोगी है। भूराजनैतिक बदलावों के बावजूद दोनों देशों के संबंध मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लगातार संवाद में रहे हैं, और यह राजनीतिक स्तर पर विश्वास को और मजबूत करता है।

रक्षा सहयोग, अनुबंध और तकनीकी हस्तांतरण पर चर्चा

22वें आयोग की बैठक में सैन्य उत्पादन, संयुक्त विकास, लाइसेंस प्राप्त मैन्युफैक्चरिंग और तकनीक हस्तांतरण सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से बातचीत हुई। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोउसॉव ने त्रि–सेवा गार्ड ऑफ ऑनर स्वीकार किया और दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

राजनाथ सिंह ने बताया कि पिछले महीने मॉस्को में हुई 26वीं भारत–रूस कार्य समूह बैठक सफल रही और यूरोएशियन इकनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर औपचारिक बातचीत शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा यह पहल आने वाले वर्षों में व्यापार और रक्षा, दोनों क्षेत्रों में नए अवसर खोलेगी। दोनों नेता इससे पहले इस साल सितंबर में तियानजिन, चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी रक्षा साझेदारी में सुखोई, ब्रह्मोस, टी–90 टैंक, और नौसैनिक सहयोग जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। रूस और भारत आने वाले वर्षों में व्यापारिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में हैं। रूसी वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने कहा है कि दोनों देश 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक व्यापार लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

प्रयागराज में बस पार्किंग विवाद, मारपीट

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित रोडवेज बस अड्डे के पास देर रात बस खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। यह विवाद मारपीट में बदल गया, जिसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को शांत कराया।

सिविल लाइंस के पॉश इलाके में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक सईद अहमद का आवास है। उनके बेटे कवि अहमद ने घर के पास 'खानसामा' नाम से एक होटल खोला है। आरोप है कि ट्रैवल एजेंसी चलाने वाले रवि सोनकर के कर्मचारियों ने होटल के सामने बस खड़ी कर दी, जिसका कवि अहमद ने विरोध किया। पूर्व विधायक सईद अहमद के अनुसार, ट्रैवल एजेंसी के लोगों ने उनके बेटे कवि अहमद को उनके ऑफिस चौंबर से खींचकर बाहर निकाला और उनके साथ मारपीट की। दूसरी ओर, रवि सोनकर के पक्ष ने भी मारपीट और फायरिंग का आरोप लगाते हुए सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत कराया और उन्हें थाने ले गई। थाना प्रभारी रामाश्रय ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से तहरीर मांगी गई है, जिसके बाद तहरीर और वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्वत में पकड़े गए पुलिस उप निरीक्षक की जमानत मंजूर

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए पुलिस उप निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप की जमानत मंजूर कर ली है। कोर्ट ने कहा कि ट्रैप कार्रवाई संदिग्ध प्रतीत होती है क्योंकि मौके पर न हाथ धुले गए और न बरामद रुपये जब्त किए गए।

यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। सुल्तानपुर के करौंदी कला थाने में याची की तैनाती के दौरान शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी रिहाई की अर्जी पर रिपोर्ट के लिए याची ने 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। अयोध्या की ट्रैप टीम ने याची को रंगे हाथ पकड़ा और रिश्वत की राशि भी बरामद हुई। जमानत अर्जी में कहा गया कि सभी आरोप झूठे हैं और ट्रैप की प्रक्रिया में गंभीर कमियां है। जहां पर रिश्वत लेने का दावा किया गया था, वहां याची और शिकायतकर्ता के हाथ नहीं धोए गए थे। बरामद रकम न तो मौके पर सीलबंद की गई और न ही बरामदगी मेमो घटनास्थल पर तैयार किया गया। सभी जरूरी औपचारिकताएं ट्रैप के बाद याची और शिकायतकर्ता के साथ थाने में और रास्ते में पूरी की गईं। इससे ट्रैप कार्रवाई की संदेहास्पद हो गई। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। कोर्ट ने माना कि हाथ धोने, पैसे सील करने और मेमो बनाने जैसी औपचारिकताएं मौके पर नहीं बल्कि रास्ते में थाने जाते समय पूरी की गईं। इससे ट्रैप कार्यवाही पर संदेह पैदा होता है। कोर्ट ने पाया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। याची का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। साथ ही वह गत 11 अगस्त से जेल में है। ऐसे में याची की जमानत अर्जी शर्तों के साथ मंजूर कर ली।

काशी तमिल संगमम का पहला दल पहुंचा प्रयागराज

प्रयागराज (संवाददाता)। काशी भ्रमण के बाद काशी तमिल संगमम् का पहला दल गुरुवार सुबह विशेष बस से वाराणसी से प्रयागराज पहुंचा। दल में तमिलनाडु से आए अध्यापकों सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधि शामिल थे। संगम तट पर पहुंचते ही मेहमानों का टीका लगाकर, पुष्प वर्षा और पारंपरिक लोकगीत,लोकनृत्य के साथ हर हर महादेव तथा वणक्कम प्रयागराज के उद्घोष से भव्य स्वागत किया गया। जैसे ही बस संगम तट पहुंची, स्थानीय प्रशासन और सांस्कृतिक टीमों ने मेहमानों का पारंपरिक टीका लगाकर और भव्य पुष्पवर्षा के साथ औपचारिक स्वागत किया। स्वागत स्थल पर लोक कलाकारों ने बुंदेलखंडी, अवधी एवं पूर्वांचली लोकगीतों की प्रस्तुति दी, जबकि लोकनृत्य दलों ने मनमोहक नृत्यों से माहौल को उत्सवमय बना दिया। तमिल मेहमानों ने पहली बार गंगादृयमुनादृसरस्वती के त्रिवेणी संगम की पवित्रता और पारंपरिक स्वागत से खुद को विशेष सम्मानित महसूस किया। स्वागत के बाद प्रतिनिधियों को नौकाओं के माध्यम से संगम क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण कराया गया।मेहमानों ने पवित्र संगम स्नान कर आध्यात्मिक ऊर्जा और विशेष अनुभव का आनंद लिया। स्नान और भ्रमण के बाद सभी अतिथियों को श्री बड़े हनुमान मंदिर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने प्रसिद्ध लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन किए। इसके बाद प्रतिनिधियों ने शंकर विमान मंडपम मंदिर का भी अवलोकन किया, जो दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण है। इस मंदिर के दर्शन ने तमिल प्रतिनिधियों को अपने सांस्कृतिक परिवेश की झलक प्रयागराज में ही देखने का अवसर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रयागराज के मेयर गणेश चन्द्र केसरवानी ने स्वयं उपस्थित होकर सभी मेहमानों का स्वागत व सम्मान किया।उन्होंने कहा–"काशी तमिल संगमम् भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो देश की विविध संस्कृतियों को जोड़ने का कार्य कर रही है। यह तमिल और काशी की सांस्कृतिक विरासत को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बन रही है। प्रयागराज आकर प्रतिनिधि यहां की आध्यात्मिकता, लोक संस्कृति और परंपराओं को नजदीक से महसूस कर रहे हैं।"

बागी विधायक पूजा पाल ने केशव के पैर छुए, प्रयागराज में बोलीं

योगीजी ने न्याय दिया, सपा में रहते भाजपा नेताओं के संपर्क में थी

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे। बिहार चुनाव के बाद केशव का यह पहला दौरा था। केशव से मिलने प्रयागराज के तमाम नेता पहुंचे। इनमें सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल भी थीं। पूजा पाल ने केशव के पैर छुए और आशीर्वाद लिया।

मुलाकात के बाद पूजा पाल ने कहा– सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मेरे लिए अभिभावक समान हैं। मुझे दोनों नेताओं से परिवार जैसा स्नेह और सहयोग मिलता रहा है।

पूजा पाल ने पति की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, मेरे पति, तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के 18 साल बाद योगी सरकार में मुझे न्याय मिला। यही वजह रही कि मैंने राज्यसभा चुनाव में सपा लाइन से हटकर क्रॉस वोटिंग की थी। यह मेरा भाजपा सरकार के प्रति आभार था।

पूजा पाल ने स्पष्ट किया कि सपा में रहते हुए भी वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थीं और कई कार्यक्रमों में शामिल होती रही थीं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया था। हालांकि उन्होंने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया।

भाजपा में क्यों आई, सब जानते हैं राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पूजा पाल अपनी पुरानी सीट प्रयागराज शहर पश्चिमी से 2027 में विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। इस सवाल के जवाब में पूजा पाल ने कहा– सीट का चयन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सलाह पर निर्भर करेगा। वर्तमान में चायल सीट से विधायक हूं। मैं भाजपा में क्यों आई हूं, यह सब जानते हैं। आगे का निर्णय उच्च नेतृत्व करेगा और मैं वही स्वीकार करूंगी।

बात 14 अगस्त की है। विधानसभा का सत्र चल रहा था। आखिरी दिन विधायक पूजा पाल बोलने के लिए खड़ी हुईं। उन्होंने कहा– मैंने अपना पति खोया है। सब जानते हैं कि मेरे पति की हत्या कैसे हुई और किसने की? मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिलाया। मेरी बात तब सुनी, जब किसी ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और अपराधियों को दंड दिया।

मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर अतीक अहमद जैसे अपराधियों मिट्टी मिलाया है। मैं उनके इस जीरो टॉलरेंस का समर्थन करती हूं। मैंने तब आवाज उठाई, जब मैंने देखा कि कोई भी अतीक अहमद जैसे अपराधियों के खिलाफ लड़ना नहीं चाहता, जब मैं इस लड़ाई से थकने लगी, तब सीएम योगी ने मुझे न्याय दिलाया। आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री की ओर विश्वास से देखता है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाषण खत्म होने के 8 घंटे बाद विधायक पूजा पाल को पार्टी से बर्खास्त कर दिया। सपा ने कहा– पूजा पाल ने लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियां कीं। चेतावनी देने के बावजूद उन्होंने इन्हें बंद नहीं किया। इससे पार्टी को नुकसान हुआ। उनका आचरण पार्टी हितों के खिलाफ है।

इसी कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से सपा से निष्कासित किया जाता है। साथ ही, उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटाया जाता है। अब वह न तो सपा के किसी कार्यक्रम में शामिल होंगी और न ही इसके लिए आमंत्रित की जाएंगी।

प्रयागराज के रीलबाज ने युवती का न्यूड वीडियो वायरल किया, पिता बोले

बेटी को उठाकर ले गया, धनंजय सिंह-अजय राय के साथ आरोपी की रील

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के रीलबाज ने युवती का न्यूड वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो में आशीष नशे में नजर आ रहा है। वह युवती को अपनी पत्नी बताते हुए उसके साथ अश्लील हरकत करता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद युवती के पिता ने 28 नवंबर को आशीष के खिलाफ नैनी थाने में FIR दर्ज कराई।

अब पुलिस आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। युवती एक मंदिर के पुजारी की बेटी है। पीड़ित के पिता ने कहा– आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। मामला गुरुवार को सामने आया।

पीड़ित युवती के पिता ने कहा– मैं मंदिर परिसर में ही परिवार के साथ रहता हूं। 19 नवंबर को आशीष मंदिर परिसर में आया था और मेरी बेटी को धमकाते हुए उठाकर ले गया। मैंने विरोध किया तो बोला जान से मार दूंगा। इस दौरान उसने बेटी घर से जेवर, दो लाख कैश, आधार कार्ड और अपनी मार्कशीट भी ले गई है। आशीष ने धमकी दी है कि मैंने कही शिकायत की तो तुम्हारे परिवार को जिंदा नहीं छोड़ूंगा।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी आशीष यादव के खिलाफ 7 से अधिक मारपीट, चोरी, लूट और रंगदारी जैसे मामले दर्ज है। आरोपी युवक पहले जेल भी जा चुका है। हालांकि, इस घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा है। जिसकी तलाश की जा रही है।

आशीष प्रयागराज के अरैल का रहने वाला है। उसके पिता का नाम राम गरीब है। उनका डेयरी का काम है। वहीं, आशीष लोगों पर रौब गांठने को लग्जरी गाड़ियों में घूमता है। वह लोगों को धमकाने का ठेका भी लेता है। वह अपने इंस्टाग्राम पर खुद को दबंग दिखाने के लिए भाजपा नेता मनोज तिवारी, सांसद धनंजय सिंह, राकेश टिकैत, कांग्रेस नेता अजय राय, उज्जवल रमण जैसे नेताओं के साथ वीडियो अपलोड कर चुका है।

एसआईआर पर डिप्टी सीएम बोले- बीएलओ की आत्महत्या समाधान नहीं

केशव मौर्य बोले, ममता-राहुल के चक्कर में न पड़ें बीएलओ, ईमानदारी से अपना काम करें

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे SIR (Special Summary Revision) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण का यह अभियान लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बेहद आवश्यक है, और भारतीय जनता पार्टी की जिम्मेदारी है कि इसमें कोई मतदाता छूट न जाए।

इसी कड़ी में पार्टी ने सीएम और दोनों डिप्टी सीएम को 25-25 जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसके तहत वह प्रयागराज से इसकी शुरुआत कर रहे हैं। ममता बनर्जी की ओर से एसआईआर को तत्काल बंद करने की मांग पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा कि बीएलओ किसी भी तरह की भ्रम की राजनीति में न पड़ें।

उन्होंने कहा– "न ममता बनर्जी, न राहुल गांधी और न अखिलेश यादव के बहकावे में आएं," उन्होंने कहा। मौर्य ने कहा कि बीएलओ अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाएं क्योंकि आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं होता। उन्होंने कहा कि मृत मतदाताओं के नाम हटना चाहिए और घुसपैठियों के नाम भी सूची से निकालने जरूरी हैं।

जिन मतदाताओं के नाम अलग-अलग जगह दर्ज हैं, उन्हें एक स्थान पर किया जाएगा। युवा मतदाताओं के नाम तेजी से जोड़े जा रहे हैं।

डिप्टी सीएम ने कहा कि विपक्षी पार्टियां इसलिए भ्रम फैला रही हैं क्योंकि भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है और बिहार में भी ऐतिहासिक जीत दोहराई है। इसी बौखलाहट में विपक्ष गलत बयानबाजी कर रहा है।

कांग्रेस के पंचायत चुनाव अकेले लड़ने के बयान पर मौर्य ने कहा कांग्रेस की आंतरिक समस्या है। चाहे अकेले लड़े या मिलकर, यूपी में कमल ही खिलेगा। अखिलेश यादव के आरक्षण संबंधी बयान पर उन्होंने तंज कसा कि बिहार चुनाव के बाद अखिलेश यादव मानसिक रूप से अस्थिर हो गए हैं और 2047 तक सत्ता में उनकी वापसी की संभावना खत्म हो चुकी है।

काशी तमिल संगमम् के पुनः शुरू होने पर मौर्य ने कहा कि पीएम मोदी एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रहे हैं। माघ मेले को लेकर उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से मेले का बजट तीन गुना बढ़ाया गया है। व्यवस्थाएं कुंभ के स्तर की हो चुकी हैं।

कोडीनयुक्त कफ सिरप तस्करी मामले में धाराएं बढ़ीं, सुनवाई टली

प्रयागराज (संवाददाता)। कोडीनयुक्त कफ सिरप तस्करी का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा है। इस मामले में वाराणसी और गाजियाबाद में केस दर्ज हुए हैं। मामले के फरार सरगना शुभम जायसवाल ने गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। हालांकि गुरुवार को मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। यूपी सरकार की तरफ से हाईकोर्ट को बताया गया कि मामले में एनडीपीएस एक्ट के अलावा बीएनएस की धाराएं बढ़ाई गई हैं। इसके बाद याची के अधिवक्ता ने कोर्ट से मामले को पास ओवर करने की मांग रखी। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की मांग को मान लिया। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस अचल सचदेव की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। अब मामले की सुनवाई अगले हफ्ते होगी। वाराणसी और गाजियाबाद में दर्ज मामले में आरोपी शुभम जायसवाल ने अरेस्ट होने से बचने के लिए हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। याचिका में कोर्ट से एफआईआर रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई है। आरोपी शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद जायसवाल ने भी वाराणसी में दर्ज मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वाराणसी के कोतवाली थाने में शुभम जायसवाल, उसके पिता समेत 28 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। 15 नवंबर को एफआईआर दर्ज हुई थी।

प्रयागराज में छात्रा की संदिग्ध मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के थरवई थाना क्षेत्र स्थित बहमलपुर जबर का पूरा गांव में बुधवार देर रात इंटरमीडिएट की छात्रा अनुष्का पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवारजन रात करीब साढ़े 10 बजे बिना पुलिस को सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार करने के लिए रसूलाबाद घाट पहुंच गए। इसी बीच, किसी ने घटना की सूचना थरवई पुलिस को दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक दीपक कुमार अपनी टीम के साथ रात लगभग 12 बजे रसूलाबाद घाट पहुंचे। पुलिस ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को रोकते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, अनुष्का ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिवार ने बताया कि देर रात जब वे कमरे में पहुंचे, तो अनुष्का बेहोश मिली। उसे तुरंत नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजन सीधे अंतिम संस्कार के लिए घाट चले गए थे। थरवई पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि परिजन बिना सूचना दिए अंतिम संस्कार के लिए क्यों निकल गए थे। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटनाक्रम से संबंधित जानकारी जुटा रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय शिल्प मेले के तीसरे दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (NCZCC), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेले के तीसरे दिन बुधवार को लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर थपट्टम, रीना शैला, पेरिया मेलम, डमी हॉर्स और कालियाट्टम जैसे विभिन्न लोकनृत्यों ने उत्सव का माहौल और जीवंत बना दिया। प्रत्येक दल की पारंपरिक वेशभूषा और उनके नृत्य का अनूठा अंदाज दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। मथुरा से आए कलाकारों के दल ने सिर पर बजनी शिला और 108 जलते दीपों के साथ मनमोहक चरकुला नृत्य प्रस्तुत किया। ब्रज की संस्कृति को दर्शाती इस प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गंगा देवी और उनके साथी कलाकारों ने 'पधारो म्हारे देश' तथा 'केसरिया बालम' जैसे लोकप्रिय राजस्थानी गीतों पर तेराताली और भवई नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी लय, ताल और लोक परंपरा की झलक ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इसके अतिरिक्त, पूर्वी त्रिपाठी और उनके दल ने कृष्ण-लीला पर आधारित एक नृत्य-नाटिका भी प्रस्तुत की। सांस्कृतिक संध्या में गजल गायक भूपेंद्र शुक्ला ने 'आपके दिल में क्या है बता दीजिए', 'गुमसुम यह जहाँ है' और 'मैं कैसे कहूँ जानेमन' जैसी गजलों से श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। लोकगायिका ज्योति सिन्हा ने 'युगो-युगो जियो बिन दवाई' और भोजपुरी लोकगीत 'अइले बनवाली जी, आपन कोरिया बहरा' तथा 'झुलुहा लागल बा निमिया डढ़िया' प्रस्तुत कर महफिल में लोक-सुगंध बिखेरी। तीसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण (इलाहाबाद हाईकोर्ट) और राकेश सिन्हा (पूर्व लेखाधिकारी, NCZCC) ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

पूर्व ब्लाक प्रमुख की बहु की संदिग्ध हालत में मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल में एक नवविवाहित महिला की लाश ससुराल वालों ने लावारिश हालत में एम्बुलेंस में छोड़ के चले गये जिसके बाद लड़की के घर वाले पहुंचे और एम्बुलेंस ड्राईवर से पूंछा तो उसने बताया की लड़की के ससुराल वाले बॉडी भिजवा दिए हैं। जिसपर घर वालों ने आरोप लगाया की सुबह से ससुराल वाले गुमराह कर रहे थे और सही जानकारी नही दे रहे थे और 4 घंटे बाद फोन करके बोले लाश स्वरूपरानी चौकी के सामने है। कौशाम्बी के सडवापर कौशाम्बी थाना की रश्मि सिंह (23) की शादी पिछले माह 2 नवंबर को आदित्य प्रताप सिंह पुत्र पूर्व ब्लाक प्रमुख विजयीपुर महेंद्र प्रताप सिंह के साथ धूमधाम से हुई थी। जिसके एक माह बाद 4 दिसम्बर को रश्मि की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। रश्मि के मायके वालों ने बताया की सुबह रश्मि के पिता के पास ससुराल वालों ने फोन किया की रश्मि फांसी लगा ली है। उसको SRN हॉस्पिटल ले जा रहे हैं, जिसके बाद रश्मि के घर वाले अस्पताल पहुंचते हैं।

मीनाक्षी स्वरूप पांच करोड़ लगाने को तैयार, जल निगम करा रहा फजीहत

परिक्रमा मार्ग के निर्माण पर पांच करोड रुपये खर्च कर रही पालिका, तीन चरणों में कार्य कराया जायेगा पूर्ण

मुजफ्फरनगर। श्री राम कॉलेज के सामने परिक्रमा मार्ग का निर्माण जल निगम की लेट लतीफी के कारण अटका हुआ है। यहां पर पूर्व में एमडीए द्वारा कराये गये नाला निर्माण कार्य के गलत होने के कारण स्थिति बदहाल हुई है। यहां पर सबसे बड़ी आवश्यकता जल निकासी की बदहाल व्यवस्था को सुचारू करना है। इसके लिए जल निगम नगरीय इकाई को दायित्व मिला है। यहां पर जल निगम को जल निकासी की बेहतर व्यवस्था के लिए कार्य करना है। इसमें हो रही देरी के कारण ही नगरपालिका परिषद् का निर्माण विभाग सड़क निर्माण कार्य को शुरू नहीं करा पा रहा है, जबकि इस सड़क की बदहाली दूर करने के लिए चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप पांच करोड़ रुपये लगाने को तैयार हैं। पालिका करीब चार करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सड़क निर्माण का टैण्डर भी छोड़ चुकी है। इंतजार जल निगम की हरी झंडी का है।

बता दें कि इस सड़क की दुर्दशा को दूर करने के लिए नगरपालिका परिषद् की अध यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने विशेष प्राथमिकता पर कार्य 13 अक्टूबर को सम्पन्न हुई बोर्ड बैठक में पास कराये। इसमें करीब पांच करोड़ रुपये का बजट खर्च कर मीनाक्षी स्वरूप इस सड़क का निर्माण कार्य कराने के साथ ही नाले की मरम्मत कार्य कराने का काम भी कराने जा रही है। चयेरपर्सन की विशेष प्राथकिता पर निर्माण विभाग ने तेजी से कार्य किया और सड़क निर्माण का टैण्डर भी स्वीकृत कराया

जा चुका है। नगरपालिका अध यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि शहरी विकास में परिक्रमा मार्ग की बदहाली को दूर करना हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। इसके लिए हम अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं और पालिका बोर्ड में इस सड़क के निर्माण कार्य के लिए पांच करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत करा लिया गया है, पहले जल निगम को जल निकासी की सुविधा बहाली के लिए काम पूरा करना है, इसके बाद ही सड़क का निर्माण शुरू होगा।

नगर पालिका परिषद् के सहायक अभियंता निर्माण नैपाल सिंह ने बताया कि चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप की विशेष प्राथमिकता और जनहित के दृष्टिगत परिक्रमा मार्ग के निर्माण कार्य का टैण्डर हो चुका है। पालिका इस सड़क को दो हिस्सों में बनाने जा रही है। इसमें भगीरथ चौक की पुलिया से रेलवे क्रासिंग तक दाई ओर के निर्माण पर 01 करोड़ 99 लाख 68 हजार 500 रुपये और एटूजेड चौराहा पुलिया से श्रीराम कॉलेज के सामने होकर रेलवे क्रासिंग तक के निर्माण पर 01 करोड़ 99 लाख 89 हजार 400 रुपये खर्च होंगे। इन दोनों साइड की सड़क निर्माण के लिए टैण्डर मजूर हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त इसी मार्ग पर भगीरथ चौक स्थित नाले की पुलिया से श्रीराम कॉलेज के सामने से रेलवे क्रासिंग तक बने नाले की दीवारों को ऊंचा करने, अवशेष भाग में नाले का निर्माण और डिवाइडर निर्माण कार्य भी नगर पालिका अलग से कराने जा रही है। इसके लिए पालिका के निर्माण विभाग ने 01 करोड़ 28 लाख 14 हजार 400 रुपये का व्ययानुमान पास कराया था।

एई नैपाल सिंह ने बताया कि पालिका जल निगम के प्रोजेक्ट के लेट होने के कारण सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं करा पा रही है। इसमें जल निगम को इस मार्ग पर जल निकासी की सुविधा विकसित और सुदृढ़ करनी है। इसके लिए कुछ हिस्से में ओपन नाला और वसुन्धरा रेजीडेंसी से भगीरथ चौक तक हयूम पाइप डालकर बंद नाला बनाने का कार्य होना है। इस कार्य की डीपीआर जल निगम नगरीय इकाई के एक्सईएन अबू जैद के द्वारा सहारनपुर एसई कार्यालय में स्वीकृति के लिए भेजी है, जो अभी प्राप्त नहीं हुई। एई का कहना है कि जल निगम अपना कार्य पूर्ण करे तो ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो पायेगा।

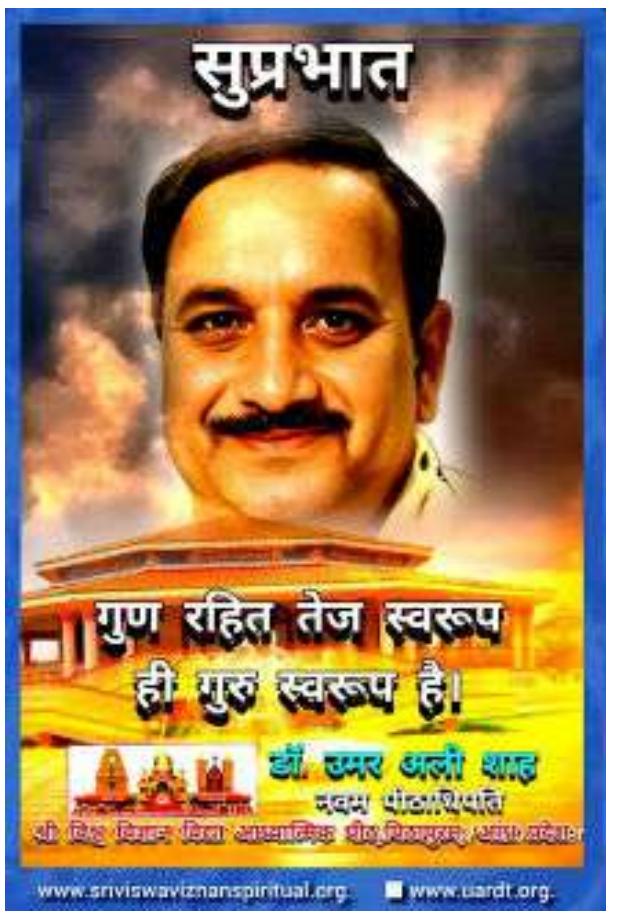

मदनी और सपा सांसद की सोच एक जैसी, मोहिबुल्लाह नदवी के बयान पर केशव मौर्य का पलटवार

लखनऊ, संवाददाता। जमीयत–उलेमा–हिंद के प्रमुख मौलाना मदनी के जिहाद पर दिए बयान को लेकर सियासत तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने भी मदनी के बयान का समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को इस पर निशाना साधा। केशव प्रसाद मौर्य ने न्यूज ऐजेंसी से बात करते हुए कहा, मदनी, सपा सांसद और समाजवादी पार्टी की सोच एक जैसी है। भारत में अब कोई जिहाद की धमकी न दे। देश में तुष्टिकरण करने वाली कांग्रेस और कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर लगातार सबका साथ, सबका विकास और सबको सम्मान देते हुए कानून का राज चल रहा है। उन्होंने कहा, जो लोग जिहाद की धमकी देने का काम कर रहे हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि जिहाद की धमकी का जवाब देश की जनता देना जानती है। जब चुनाव होंगे तो समाजवादी पार्टी और मदनी जैसे बयान के समर्थन में खड़ी होने वाली पार्टियों को जनता जवाब देगी। केशव प्रसाद मौर्य ने घुसपैठियों को लेकर कहा, उत्तर प्रदेश, देश का कोई राज्य, या भारत हो, घुसपैठियों के लिए कोई धर्मशाला नहीं है। घुसपैठियों का पता लगाया जाना चाहिए और वे देश से आए हैं, उन्हें वहां पर वापस भेजना चाहिए। केंद्रीय गृहमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हो रहे विवाद पर कहा, सपा की राजनीति अंधकारमय हो गई है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे थे कि 2027 में सत्ता में आ जाएंगे, लेकिन अब वह 2047 तक सत्ता के आस–पास भी नहीं आएंगे। एसआईआर मतदाताओं के शुद्धिकरण के लिए है। हम इसका स्वागत करते हैं। जो विरोध कर रहे हैं, उन्हें मुंह की खानी पड़ेगी, क्योंकि जनता एसआईआर के विरोध के समर्थन में नहीं है। कांग्रेस नेता द्वारा पीएम मोदी के एआई–जनरेटेड वीडियो बनाने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस की गाली का जवाब देश की जनता देती है। पीएम मोदी हमेशा कहते हैं कि गाली का जवाब गाली से नहीं देंगे। उनकी गाली का जवाब देश की जनता कमल खिलाकर देगी। जहां भाजपा है, वहां पर वे और मजबूत होंगे और जहां पर नहीं है, वहां पर हमारी सरकार बनेगी।

एलयू में स्टूडेंट्स का हंगामा,कैंपस गेट पर मंत्री संजय निषाद का पुतला फूंका

लखनऊ, संवाददाता। मत्स्य मंत्री संजय निषाद के बलिया पर दिए गए विवादित बयान के विरोध में लखनऊ में प्रदर्शन हुआ। एलयू के छात्रों ने कैंपस के मुख्य गेट के बाहर उनका पुतला फूंक कर विरोध जताया। छात्र आदित्य पांडे ने कहा बयान बेहूदा और अपमानजनक है। हमारी मांग है कि संजय निषाद को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सरकार में मंत्री संजय निषाद ने बलिया के लोगों को अंग्रेजों का दलाल बताया था। इस बयान पर शहीद पंडित रामदहीन ओझा के परिवार ने कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके बाद से विरोध प्रदर्शन का क्रम जारी है। छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 पर पुतला फूंकने के बाद जमकर हंगामा किया। छात्र अंकित ने कहा– बलिया वीरों की धरती है। महापुरुषों की सर जमीन है। जिस तरह से योगी सरकार में मंत्री बयान देते हैं। उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है। इससे पूरे बलिया के लोग अपमानित महसूस कर रहे हैं। आदित्य पांडे ने कहा हमारी मांग है कि संजय निषाद को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। बलिया वह ऐतिहासिक धरती है, जहां पौराणिक काल में महर्षि ने यग किया था। बलिया के बहादुरों ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। ब्रिटिश हुकूमत को हिलाकर रख दिया था। मंत्री संजय निषाद को पहले बलिया का इतिहास पढ़ना चाहिए। उन्हें जानना चाहिए कि किस प्रकार बलिया अपनी सरकार स्थापित करने वाला भारत का पहला जिला बना था। हमारा नारा है वीरों की धरती बागियों का देश, बागी बलिया उत्तर प्रदेश। ये सिर्फ बलिया का ही नहीं बल्कि सीधे हमारे महा पुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत, पुलिस कर रही शिनाख्त

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह पारा थाना क्षेत्र के पुराना पारा मोड़ पर एक बुजुर्ग को किसी गाड़ी ने टक्कर मार दी। इससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। शव की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे बुजुर्ग को बेहोशी की हालत में सड़क पर पड़े देखा। उनको चोट लगी थी। शायद किसी वाहन ने टक्कर मारी होगी। यह देखकर पुलिस को सूचना दी गई। आसपास के लोगों की मदद से बुजुर्ग को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हंसखेड़ा चौकी पुलिस के मुताबिक, मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि मृत व्यक्ति की उम्र करीब 65 वर्ष है और उसकी जेब से कोई भी पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिला है। पारा थाना पुलिस ने आम लोगों से पहचान के लिए सहयोग की अपील की है।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में प्रथम स्नातक समरोह आयोजित

होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने का आह्वान

ताडेपल्लीगुडेम, ।एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने आज अपना प्रथम स्नातक समरोह मनाया ।यह होम्योपैथिक डॉक्टरों के पहले बैच के प्रथम स्नातक समरोह का एक महत्वपूर्ण आयोजन था। इस समारोह में जाने–माने मेहमानों ने प्रेरणा देने वाले भाषण दिए, जिसमें होम्योपैथी के क्षेत्र में मेहनत से प्रैक्टिस, लोगों में जागरूकता और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की अहमियत पर जोर दिया गया।

समारोह की शुरुआत एक शानदार एकेडमिक जुलूस से हुई, जहाँ स्नातक हो रहे स्टूडेंट्स, फैकल्टी और जाने–माने मेहमान हॉल में आए और विशिष्ट अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का श्री गणेश किया। आंध्र प्रदेश सरकार के एलुरु रेंज के पुलिस इंस्पेक्टर जनरल, आईपीएस श्री जीवीजी अशोक कुमार, इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने स्नातक हो रहे विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि। ष्होम्योपैथी की प्रैक्टिस लगन से करनेष की जरूरत है और ष्आम लोगों के बीच होम्योपैथी को लोकप्रिय

बनाने के लिए मिलकर कोशिश करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ताडेपल्लीगुडेम के 11वें एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशंस जज, श्री शेख सिकंदर बाशा ने सलाह देते हुए कहा कि ष्डॉक्टर होने के नाते, हर किसी को विद्यार्थी होना चाहिए, और यह सीखने का एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने मेडिकल प्रोफेशन में जरूरी ज्ञान के लिए जिंदगी भर के कमिटमेंट पर जोर दिया। डॉ. बी. श्रीनिवासुलु, रजिस्ट्रार, डॉ. वाईएसआर हॉर्टिकल्चरल यूनिवर्सिटी ने ग्रेजुएट्स को इनोवेशन अपनाने के लिए हिम्मत दी, और सुझाव दिया कि वे ष्होम्योपैथी में एआई जैसी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें और इसे आगे बढ़ाएं।ष एएसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अकुला विजय वर्धन ने मिली–जुली भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने स्टूडेंट्स के पहले बैच को जाते हुए देखकर अपनी खुशी जाहिर की, साथ ही ष्उनके जाने परष दुख भी जताया। उनका भाषण इंस्टीट्यूशन के अपने ग्रेजुएटिंग पायनियर्स के प्रति कमिटमेंट को दिखाता था।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार ने इंस्टीट्यूशन की एकेडमिक एक्सीलेंस पर गर्व से जोर दिया, और कहा कि ष्एएसआर कॉलेज के स्टूडेंट्स एक ऐसा ट्रैक रिकॉर्ड बना रहे हैं कि हर साल कॉलेज को यूनिवर्सिटी रैंक मिलती है।ष उन्होंने एक नई पहल की भी घोषणा की, जिसमें कहा गया कि ष्इस साल से, एएसआर कॉलेज भारत का पहला कॉलेज है जो पढ़ाई में लैपटॉप का इस्तेमाल करके एनाटॉमी और फिजियोलॉजी और होम्योपैथी सब्जेक्ट्स को पढ़ाने के लिए डिजिटल शिक्षक प्रणाली लागू करेगा।ष डॉ. आनंद कुमार ने इस बड़ी तरक्की का श्रेय विजनरी लीडरशिप को दिया, और माना कि ष्विजनरी चेयरमैन डॉ. अकुला विजय वर्धन टीचिंग में नई टेक्नोलॉजी को लागू करने में बहुत सपोर्ट दे रहे हैं।ष नए ग्रेजुएट्स को शपथ दिलाने के बाद, विशिष्ट अतिथियों ने सर्टिफिकेट बांटे, जिससे उन्हें डिग्री ऑफिशियली दी गई।

सीएमपीए डिग्री कॉलेज में विशेष पुनरावृति व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज, । बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर, विधि संकाय, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विद्यार्थियों हेतु विशेष पुनरावृत्ति व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान लोक–स्वशासन (स्वबंस ेमसि–ळवअमतदउमदज) विषय पर केंद्रित था, जिसे सुश्री प्रीति उत्तम, सहायक प्रोफेसर (विधि), इश्वर सरन डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) की समन्वयक, श्रीमती रेनू सिंह द्वारा अतिथि वक्ता के औपचारिक स्वागत से हुआ। उन्होंने अल्प सूचना पर व्याख्यान हेतु सहमति प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्रों के लिए पुनरावृत्ति आधारित शिक्षण के महत्व को रेखांकित किया।

व्याख्यान में लोक–स्वशासन से संबंधित प्रमुख विषयों की पुनरावृत्ति कराई गई, जिसमें ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों की संवैधानिक संरचना, उनकी रचना, शक्तियाँ, कार्य, तथा विकेन्द्रीकृत शासन की अवधारणा और महत्त्व प्रमुख थे। सुश्री उत्तम ने हाल के विकास, मुख्य विधिक प्रावधानों तथा परीक्षा–उन्मुख बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की, जिससे छात्रों को आगामी परीक्षाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण समझ विकसित हुई।

इस विशेष व्याख्यान में विधि ा संकाय के सभी शिक्षकगण तथा प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे और सक्रिय रूप से सहभागिता की। छात्रों ने प्रश्न पूछे, विचार–विमर्श किया और विषय में गहन रुचि प्रदर्शित की, जिससे सत्र अत्यंत संवादात्मक और प्रभावी बन गया।

यह संपूर्ण व्याख्यान श्रृंखला प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में आयोजित की गई, जिनके शैक्षणिक नेतृत्व से इस प्रकार की छात्रोन्मुख गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहन मिलता है।

कार्यक्रम का समापन विषय अध्यापक श्री हिमांशु उपाध्याय द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने वक्ता के महत्वपूर्ण व्याख्यान तथा छात्रों की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

यह पुनरावृत्ति कक्षा विद्यार्थियों की अवधारणात्मक स्पष्टता बढ़ाने तथा उनकी आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी को सुदृढ़ करने में पूर्णतः सफल रही।

लोरी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण संपन्न

लोरी गायन भारतीय संस्कृति की सबसे प्राचीन कला : कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज। हमारे बचपन में माँ की गायी हुई न जाने कितनी लोरियां आज भी याद हैं पर आज के बच्चों ने क्या दादी, नानी, माँ से कोई लोरी सुनी ? बहुधा शायद नहीं स इसलिए इसका पुनर्जागरण जरूरी है। इसी क्रम में सांस्कृतिक संस्था अभिनव प्रयागराज ने रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के बच्चों के लिए षद्वितीय लोरी प्रतियोगिता 2025ष आयोजित किया।

लोरी प्रतियोगिता के दोनों वर्गो के नाम सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय महिला गायिकाओं पर रखा गया। प्रथम वर्ग में कक्षा 6,7,8,व 9 के बच्चे थे ,जिसमें प्रथम पुरस्कार लता मंगेशकर ग्रुप से इशिका कुशवाहा, परिधि सिंह, साक्षी गुप्ता, विदुषी चौधरी व गरिमा श्रीवास्तव को द्वितीय पुरस्कार सुनिधि चौहान ग्रुप से अदिति तिवारी,आस्था शुक्ला व सुरभि झा को तथा तृतीय पुरस्कार प्रत्युषा सिंह, युशिता शर्मा, नंदिनी पाल, रिद्धि सिंह व रितिका जायसवाल को मिला । दूसरे वर्ग में 11वीं तथा 12वीं के छात्र थे जिसमें प्रथम पुरस्कार श्रेया घोषाल ग्रुप से आस्था पांडेय,आभा श्रीवास्तव, गरिमा मिश्रा, सौम्या नैलवाल व सोनी बिष्ट को तथा द्वितीय पुरस्कार शुभ्रा पाल, सलोनी एरन, दिशा कुमारी, आकाशी गुप्ता व सृष्टि कैथवास को तथा तृतीय पुरस्कार गीता दत्ता ग्रुप से दीपशिखा, वैष्णवी, मानवी सोनकर को मिला। प्रतियोगिता में निर्णायक जाने माने राष्ट्रीय गायक मनोज गुप्ता तथा वरिष्ठ सांस्कृतिज्ञ शैलेश श्रीवास्तव रहे। संस्था के मीडिया अधिकारी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कहा लोरी गायन भारत की सबसे प्राचीन गायन परंपरा है जो विलुप्त होने के कगार पर है इसको विलुप्त नहीं होना चाहिए इसका आयोजन सर्वत्र होना चाहिए। मुख्य अतिथि बाके बिहारी पांडेय ने कहा कि पुनर्जागरण में लोरियों का प्रथम स्थान है। कार्यक्रम के आयोजक मंडल में रितिक श्रीवास्तव, शादमा खातून, सर्वेश प्रजापति, अमरेश श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, आदित्य सिंह व प्रदीप श्रीवास्तव का अथक परिश्रम व अमूल्य योगदान रहा स अंत में मुख्य अतिथि रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज के प्राचार्य बाँके बिहारी पाण्डेय ने छात्र–छात्राओं पुरस्कार व आशीर्वाद प्रदान किया।

गुल–ए–दुपहरिया

गुल–ए–दुपहरिया कहें, या दस बजिया फूल।
ऊसर को भी रंग दें,रखते नेक उसूल।
रखते नेक उसूल, बात सुन्दर हैं करते।
संघर्षों के बीच, हमेशा खुशबू भरते।
सुन लो कहें प्रदीप, पार कर कठिन डगरिया।
सूरज का सह ताप, खिले गुल–ए–दुपहरिया।।

गर्मी में जब लू चले, सूरज उगले आग।
गुलदुपहरिया फूल का, दिखा गजब अनुराग।
दिखा गजब अनुराग, तपन में खुलकर हँसना।
कलियों की मुस्कान, फूल बन उनका खिलना।
सुन लो कहें प्रदीप, साधु–सा रखके नर्मी।
रंग भरें यह फूल, कहर ढाती है गर्मी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जबलपुर इकाई की लघुकथा गोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की दिसंबर माह की लघुकथा गोष्ठी ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न। लघुकथा गोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना , मुख्य अतिथि डा. भावना शुक्ला, सारस्वत अतिथि डा. कामना कौस्तुभ विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा

दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मुकुल तिवारी द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कृष्णा राजपूत गायत्री चौबे,मंजूषा किंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन आरती शर्मा किया।

यूपी में 100 विधायकों का बीजेपी काट सकती है टिकट, 2027 को लेकर इंटरनल सर्वे का रिपोर्ट कार्ड आया सामने

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी एक्टिव मोड़ में है। इसे लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने अपने मौजूदा विधायकों के कामकाज को लेकर इंटरनल सर्वे कराया है जिससे विधायकों के भविष्य को लेकर पार्टी तय करेगी किसे टिकट देना है किसे नहीं देना है। अब बीजेपी के इंटरनल सर्वे का रिपोर्ट कार्ड आया सामने है। पार्टी सूत्रों की मानें तो पूर्वांचल पश्चिम क्षेत्र का सर्वे पहले हुआ जिसमें से काशी,बृज,अवध और अन्य क्षेत्रों का सर्वे शामिल है। पार्टी ने पेशेवर एजेंसियों को ये जिम्मेदारी सौंपी थी। गुप्त सर्वे के जरिए विधायकों की छवि, विकास कार्य, जातीय समीकरण और विपक्ष की ताकत का आकलन किया गया है। भाजपा ने इस सर्वे के पहले चरण को तीन श्रेणी में इसको किया हैपार्टी सूत्रों के अनुसार 'ए' श्रेणी के नेताओं का टिकट लगभग पक्का है,जबकि 'सी' श्रेणी वालों की कुर्सी खतरे में है। विधायकों के ऑडिट के कई पैमाने बनाये गए थे। विधायकों का पिछले कार्यकालों में प्रदर्शन और अपने क्षेत्र में विकास निधि का उपयोग,जनता की समस्याओं के समाधान में सक्रियता और पिछले चुनाव में जीत का अंतर और उसकी वजह, जनता की नजर में व्यक्तिगत और राजनीतिक छवि और 2027 में जीत की संभावना इस सर्वे में विपक्षी दलों की ताकत और कमजोरियों का भी विश्लेषण भी किया गया है। सर्वे में यह दर्ज किया गया कि किस जातीय समूह में किस पार्टी की पकड़ है, कौन–से मुद्दे जनता को प्रभावित कर रहे हैं, और विपक्ष के कौन–से नेता भाजपा के लिए चुनौती बन सकते हैं। टिकट वितरण में भावनाओं या पुराने रिश्तों को दरकिनार कर प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाएगी।

सम्पादकीय.....

डिजिटल अरेस्ट

यह विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करे, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर की सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन–देन की गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार,कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों–टुकड़ों में जांच सीमा–पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है। दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले–भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी या जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें आतंकित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये की ठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतरू संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं। तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार सबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता–सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए।

एसआईआर पर नया विवाद

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा ने तो यहां तक दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों का साथ दे रहा है, इसलिए वो एसआईआर का विरोध कर रहा है। हालांकि चुनाव आयोग ने आज तक यह नहीं बताया है कि उसे कितने घुसपैठिए मतदाता के तौर पर मिले हैं।

24 जून 2025 को चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर का आदेश) दिया था, जो शुरुआत से विवादों में बना रहा। इसे लेकर कई तरह की आशंकाएं विपक्ष ने प्रकट कीं, जिनमें से कई सही भी साबित हुईं। लेकिन चुनाव आयोग ने विपक्ष की चिंताओं का कोई समाधान नहीं किया। वहीं सत्तारुढ़ भाजपा ने भी लगातार एसआईआर को जरूरी बताते हुए चुनाव आयोग का बचाव किया। भाजपा ने तो यहां तक दावा किया कि विपक्ष घुसपैठियों का साथ दे रहा है, इसलिए वो एसआईआर का विरोध कर रहा है। हालांकि चुनाव आयोग ने आज तक यह नहीं बताया है कि उसे कितने घुसपैठिए मतदाता के तौर पर मिले हैं। बहरहाल, एसआईआर पर उठ रहे कई तरह के सवालों के बीच अब एक बड़ा खुलासा अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने किया है। जिसके बाद चुनाव आयोग का फैसला और नीयत दोनों पर तत्काल सफाई पेश किए जाने की जरूरत है। क्योंकि एसआईआर में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि नागरिकों से उनके मतदान का हक छीना जा रहा है। यह चिंता इस खुलासे के बाद और गहरा गई है। दरअसल इंडियन एक्सप्रेस ने एसआईआर के आदेश के मसौदे में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु द्वारा की गई एक अहम टिप्पणी को हटाने का खुलासा किया है। श्री संधु ने आदेश के ड्राफ्ट संस्करण में एक सतर्कता वाली टिप्पणी दर्ज की थी। जो हटा दी गई है। चुनाव आयुक्त संधु ने ड्राफ्ट आदेश की फाइल में लिखा था– यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाताध्नागरिक, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्ग के लोग परेशान न महसूस करें और उन्हें सुविधा प्रदान की जाए।यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि जब एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज की सूची जारी की गई, तो सबसे ज्यादा तकलीफ में गरीब ही आए। बिहार से ऐसी ढेरों खबरें आईं, इसी पर सुप्रीम कोर्ट में सवाल भी पूछा गया कि आधार को दस्तावेज लिस्ट में शामिल क्यों नहीं किया गया। दो बार की मौखिक सलाह के बाद तीसरी बार अदालत को भी आधार शामिल करने के लिए चुनाव आयोग को सख्त लहजे में कहा गया। अब श्री संधु की टिप्पणी के बाद समझ आ रहा है कि चुनाव आयोग में भी नागरिकता बचाने पर चिंता व्यक्त की जा रही थी। ये और बात है कि उस चिंता को जाहिर नहीं होने दिया गया। ऐसा क्यों किया गया, इसके पीछे किसका दबाव था, क्या चुनाव आयुक्तों में मतभेद है, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने साथी चुनाव आयुक्त द्वारा व्यक्त की गई चिंता की उपेक्षा की, ऐसे कई सवाल इस खुलासे के बाद उठ रहे हैं।गौरतलब है कि अंतिम आदेश में श्री संधु की टिप्पणी को हटा दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बाद में उस फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए। इंडियन एक्सप्रेस द्वारा देखे गए ड्राफ्ट आदेश के पैराग्राफ 2.5 और 2.6 में एसआईआर को स्पष्ट रूप से नागरिकता अधिनियम से जोड़ा गया था और अधिनियम में हुए बदलाव को इस प्रक्रिया का औचित्य बताया गया था। ड्राफ्ट आदेश में लिखा था कि श्आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि भारत के संविधान और नागरिकता अधिनियम, 1955 (श्नागरिकता अधिनियमश्) के अनुसार केवल नागरिकों के ही नाम मतदाता सूची में शामिल हों। नागरिकता अधिनियम में 2004 में महत्वपूर्ण संशोधन हुआ था और उसके बाद देशभर में कोई गहन संशोधन नहीं किया गया था।लेकिन अंतिम आदेश में नागरिकता अधिनियम और 2003 में पारित तथा 2004 से लागू संशोधन के सभी संदर्भ हटा दिए गए। उसकी जगह लिखा गया– श्चूंकि संविधान के अनुच्छेद 326 में निर्धारित मूलभूत शर्तों में से एक यह है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। फलस्वरूप, आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि केवल नागरिक ही...श। यह पैराग्राफ अचानक बीच में ही खत्म हो जाता है, वाक्य सेमिकोलन के बाद अधूरा रह जाता है।24 जून से अब तक चुनाव आयोग ने इस अधूरी लाइन पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि आखिर वो लाइन अधूरी क्यों है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उसने 28 नवंबर को आयोग के प्रवक्ता से दोनों आदेशों में हुए बदलाव के बारे में पूछा था, लेकिन कोई टिप्पणी नहीं मिली। वहीं आयुक्त संधु से भी उनकी टिप्पणी के बारे में और यह भी पूछा गया कि क्या उनकी चिंताओं का समाधान किया गया, लेकिन वे भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। यह अजीब बात है कि आयुक्त संधु ने नागरिकता के जिस बिंदु पर चिंता जाहिर की थी, उसका नाम लिए बिना ही उसे अंतिम आदेश के पैराग्राफ 13 में शामिल कर लिया गया। 24 जून के आदेश में लिखा हैरू श्चूंकि यह गहन संशोधन है, इसलिए यदि 25 जुलाई 2024 से पहले गणना फॉर्म जमा नहीं किया गया तो मतदाता का नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल नहीं किया जा सकेगा। फिर भी, सीईओ/डीईओ/ईआरओ/बीएलओ यह भी सुनिश्चित करें कि वास्तविक मतदाता, विशेषकर वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर वर्ग के लोग परेशान न हों और उन्हें अधिक से अधिक सुविधा दी जाए, जिसमें स्वयंसेवकों की तैनाती भी शामिल है। गौर कीजिए कि एसएस संधु की टिप्पणी से नागरिक शब्द का उल्लेख यहां पूरी तरह हटा दिया गया है। इसीलिए एसआईआर का आदेश अब और विवादित नजर आ रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इंडियन एक्सप्रेस की खबर पर चुनाव आयोग की कोई सफाई देखने नहीं मिली है। लेकिन एक तरफ अदालत में चल रही सुनवाई और दूसरी तरफ शीतकालीन सत्र में विपक्ष की एसआईआर पर चर्चा की मांग के बीच अब चुनाव आयोग क्या कहता है, किस तरह अपने फैसले को जायज ठहराता है और भाजपा इस पूरे प्रकरण पर कुछ कहती है या नहीं, ये देखना होगा।

स्वास्थ्य के अधिकार को लेकर सजगता की मुहिम

स्वास्थ्य ढांचा व चिकित्सा सुविधाएं केवल उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि हर नागरिक का अधिकार हैं। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी 'हेल्थ फॉर ऑल' का मकसद पूरा होगा। दुनियाभर के नीति–नियंताओं और नागरिकों को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज को सुरक्षित और समृद्ध करता है। आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य– ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं। हर साल 12 दिसंबर को दुनियाभर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। इस दिन का वास्तव में मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें। क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर के नीति–निर्माताओं और नागरिकों को संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे की शुरुआत और इसके मनाये जाने को संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता साल 2017 में मिली, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि साल 2012 में 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। साल 2019–20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन यानी यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे के लिए दुनियाभर में सजगता बढ़ी है। क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिमभरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं। जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में जब स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग की महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाये जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग–अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे टैग के साथ मनाया जाता है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे के मौके पर अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किये जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ जांच अभियान चलाये जाते हैं। विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र व विभिन्न देशों की सरकारों के कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं। इस दिन हमारे देश में भी बहुत काम होते हैं। समाचार चौनल और मैगजीन स्वास्थ्य से जुड़े भरे। क्योंकि जब तक लोग खुद अपनी बेहतरी के लिए किसी कार्यक्रम को शुरू नहीं करते, उसका हिस्सा नहीं बनते, तब तक बदलाव आसान नहीं होता। साल 2025 के यूएचसी डे के लिए समानता, वित्तीय सुरक्षा और डिजिटल हेल्थ पर भरोसा

बीच राउंड टेबल चर्चाएं होती हैं। इन नीति,संवाद और सम्मेलन में डॉक्टर, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और युवा नेताओं की भागीदारी होती है। इस दिन स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को इस दिन के बारे में बताया जाता है, जो बच्चों के स्वास्थ्य में इम्प्रूव करता है। स्कूल लेख और सूचनाएं लगातार देते हैं और इन्हीं माध्यमों के जरिये सरकारें उन्हें विशेष रूप से इसके लिए जागरूक बनाने की कोशिश करती है, ताकि ऐसे लोग समाज में इस तरह का माहौल बनाएं, जो हर किसी को अपने स्वास्थ्य को पहली प्राथमिकता में रखने का भाव जैसे विषय फोकस में रह सकते हैं। हर साल यूएचसी डे लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और वित्तीय सुरक्षा जैसी किसी समस्या को कमजोर वर्गों तक न आने देने के लिए सरकारों को बताना व याद दिलाना कि अच्छा स्वास्थ्य हमारा मौलिक अधिकार है।

स्वाधीनता के संघर्ष, स्वाभिमान से उपजी भारत की एकता और अखंडता राष्ट्र सर्वोपरि

संजीव ठाकुर

भारत की स्वतंत्रता अनगिनत बलिदानों, त्याग, तप और संघर्ष की अमूल्य विरासत है। लगभग आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद, जब विदेशी शासन की दासता से मुक्त होने के लिए लाखों भारतीयों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमें स्वतंत्रता का वह अमृत प्राप्त हुआ जिसे हम आज खुले आकाश के नीचे निरंतर सांस लेते हुए अनुभव करते हैं। यह स्वतंत्रता केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान, साहस और एकता की अनुपम साधना का परिणाम है। इसलिए यह हमारा पवित्र दायित्व है कि हम इस स्वतंत्रता को, इस अखंडता को और इस राष्ट्रीय आत्मा को अनंतकाल तक अक्षुण्ण बनाए रखें। राष्ट्र की एकता केवल संविधान के पन्नों या शासन की व्यवस्था से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि नागरिकों की चेतना, परस्पर सम्मान, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति की अंतर्मन की प्रतिज्ञा से निर्मित होती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता का स्वरूप और अधिक मजबूत हुआ, परंतु आज दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक मंसूबों, स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों और विचारधारात्मक विभाजन ने समाज में संप्रदाय, भाषा, जाति और क्षेत्र के नाम पर दरारें पैदा करने का प्रयास किया है। मंदिर–मस्जिद, गुरुद्वारा–चर्च, हिंदी–अंग्रेजी–उर्दू–पंजाबी–तेलुगु–असमी जैसे विवाद हमारे हृदय में ऐसे ही घाव हैं जो राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। वस्तुतः राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए हमें सांप्रदायिक विद्वेष, ईर्ष्या, भाषाई और सीमाई विवादों से ऊपर उठकर सामाजिक सौहार्द, मानवीय गरिमा और राष्ट्र की समग्रता को प्राथमिकता देनी होगी, तभी हम विकास की मुख्यधारा में सार्थक योगदान दे पाएंगे। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि "भारत विश्व का एकमात्र राष्ट्र है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारों का सहअस्तित्व सर्वधर्मसमभाव के अद्वितीय स्वरूप में विद्यमान है।" यह कथन भारत के आध्यात्मिक और सामाजिक चरित्र का आदर्श प्रतिबिंब है। परंतु वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति, सद्भावना और किसी भी राष्ट्र की अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरा है। कभी अमेरिका, तो कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक राज्यों में आतंकवाद ने अपनी विभीषिका से भारी जनहानि और संपत्ति विनाश का अंधकार फैलाया है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्र की परंपरागत एकता और अखंडता को विखंडित करने का निरंतर प्रयास किया है। कुछ राजनीतिक शक्तियों ने वोट बैंक की राजनीति में उलझकर अलगाववाद और साम्प्रदायिकता का बीजारोपण किया हैकृकभी अल्पसंख्यकों के नाम पर विभाजन, कभी जाति और आरक्षण के नाम पर भ्रम और विद्वेष की स्थापना कर समाज को बांटने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास किया है। यह राजनीति का सबसे निंदनीय और चिंतनीय स्वरूप है, जिस पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है। वास्तविकता यह है कि सामान्य सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य सभी वर्ग अत्यंत सौहार्द, सद्भावना और भाईचारे में विश्वास रखते हैं। परंतु स्वार्थी तत्व इन संबंधों को तोड़कर समाज को संघर्ष और अविश्वास की आग में धकेल देते हैं। राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने की जिम्मेदारी मात्र राजनेताओं या प्रशासन पर नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से है। हमें यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि राष्ट्र सर्वोपरि हैकृधर्म, जाति, भाषा, प्रदेश या दल से बढ़कर। यदि हम इतिहास के पन्नों को देखें तो अनेक आक्रमणों, विदेशी शासन और सांस्कृतिक संघर्षों के पश्चात भी भारत की मूल अस्मिता बार–बार सशक्त होकर उभरी है। यहाँ अनेकों जातियाँ और समुदाय आए, उन्होंने अपनी परंपराएँ, भाषाएँ और संस्कृति साथ लाई, पर समय के साथ वे भारत की मुख्य धारा में समाहित होकर इसी मिट्टी का अभिन्न अंग बन गये।

बैंडिट क्वीन नवाजुद्दीन सिद्दीकी के लिए बेहद खास फिल्म क्यों ? अभिनेता ने किया खुलासा

इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) हर साल कलाकारों, फिल्ममेकर्स और क्रिएटर्स को एक ही मंच पर लाता है। यह आयोजन केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कला, थिएटर, संगीत और साहित्य जैसी विविध रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है। इस साल दर्शकों की संख्या ने इस आयोजन को बेहद खास बना दिया। इस बार आईएफपी का सबसे चर्चित सेशन बिहाइंड द सीन मैं एक्टर नहीं हूं था, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और फिल्ममेकर–लेखक आदित्य कृपलानी मंच पर एक साथ आए। जब ये दोनों कलाकार मंच पर पहुंचे, तो दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस सेशन में नवाजुद्दीन ने अभिनय के अनुभव, थिएटर और फिल्मों में काम करने के दृष्टिकोण और करियर की चुनौतियों के बारे में बात की।नवाजुद्दीन ने अपने सेशन में सबसे पहले फिल्मों और थिएटर के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, फिल्मों में कैमरा केवल आपकी हरकतों और छोटे–छोटे व्यवहार को पकड़ता है, जबकि थिएटर में आपको हर भावना, हर भाव और हर क्रिया को पूरी तरह से व्यक्त करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, अगर आप हाथ में गिलास पकड़े और उसे हिलाएं, तो फिल्म में कैमरा सिर्फ उस क्रिया को दिखाएगा, लेकिन स्टेज पर आपको उस क्रिया को बोलकर, दिखाकर और पूरी तरह निभाकर पेश करना होता है। उन्होंने कहा, यही वजह है कि मैंने हमेशा थिएटर को अपने लिए बेहद महत्वपूर्ण माना है। अभिनेता ने कहा, थिएटर केवल अभिनय का माध्यम नहीं है, बल्कि यह खुद को समझने और अपनी सीमाओं को पहचानने का एक तरीका भी है। भारत में थिएटर के कई अलग–अलग रूप हैं और हर कलाकार को इन सभी रूपों का अनुभव करना चाहिए। यह अनुभव ही कलाकारों को अधिक संवेदनशील और वास्तविक बनाते हैं, जो उनके अभिनय में साफ दिखाई देते हैं। इस अवसर पर नवाजुद्दीन ने अपनी पसंदीदा फिल्मों में से एक बैंडिट क्वीन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इस फिल्म के अधिकांश कलाकार थिएटर से आए थे।फिल्म बैंडिट क्वीन 1994 में रिलीज हुई थी। यह फूलन देवी के जीवन पर आधारित थी। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कपूर ने किया था और इसमें सीमा बिस्वास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म माला सेन की किताब इंडियाज बैंडिट क्वीन द ट्रू स्टोरी ऑफ फूलन देवी पर आधारित थी।

> “ नवाजुद्दीन ने अपने सेशन में सबसे पहले फिल्मों और थिएटर के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, फिल्मों में कैमरा केवल आपकी हरकतों और छोटे-छोटे व्यवहार को पकड़ता है, जबकि थिएटर में आपको हर भावना, हर भाव और हर क्रिया को पूरी तरह से व्यक्त करना पड़ता है।

आम्रपाली दुबे का खास अवतार, बहुरानी के रोल में दिखीं अभिनेत्री

अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। फैंस भी उन्हें स्क्रीन पर साथ में देखना पसंद करते हैं। दोनों फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी में पहली बार साथ में नजर आए थे। मंगलवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म के मशहूर गाने लाखों में एक बहुरानी पर शानदार एक्सप्रेशन देती दिखीं। वीडियो में अभिनेत्री पारंपरिक लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। अभिनेत्री गोल्डन रंग की साड़ी, माथे पर बिंदी, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहने सजी–धजी बहुरानी के रोल में पूरी तरह फिट बैठ रही हैं। उनके हाव–भाव और अदाएं फैंस को दीवाना बना रही हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, बहुरानी। इस फिल्म से ही अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। फिल्म के रिलीज के बाद अभिनेत्री रातों रात स्टार बन गई थीं। साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी में उनकी और निरहुआ की केमिस्ट्री को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि यह जोड़ी भोजपुरी की सबसे हिट जोड़ी बन गई। फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जो अपने सपनों की राह खोजने के लिए मुंबई जाता है, जहां पर वह एक जाल में फंस जाता है और उस पर सीरियल किलर होने का आरोप लगाया जाता है। अपनी अंतिम इच्छा के रूप में, वह एक अमीर लड़की, सोना (आम्रपाली दुबे), से शादी करने का प्रस्ताव रखता है, जो उसे टीवी पर देखती है और शादी करने का फैसला करती है। इसके बाद फिल्म के तीन सीक्वल और बने थे। साल 2017 में निरहुआ हिंदुस्तानी 2 और 2018 में निरहुआ हिंदुस्तानी 3 रिलीज की गई थी और आखिरी सीक्वल निरहुआ हिंदुस्तानी 3 साल 2024 में रिलीज किया गया था। दर्शकों ने फिल्म को बेहद पसंद किया था।

आर्यन खान ने आईएमडीबी में रचा इतिहास, 2025 के सबसे कम उम्र के बने इकलौते वेब सीरीज डायरेक्टर!

आर्यन खान ने इस साल फिल्म इंडस्ट्री में अपना मच अवेटेड डेब्यू किया। बाकी स्टार किड्स से अलग आर्यन ने एक एक्टर बनने के बजाय, अलग रास्ता चुना और कैमरे के पीछे जाकर अपनी फिल्ममेकिंग की सोच और जुनून दिखाया। काफी इंतजार के बाद उनकी डेब्यू वेब सीरीज द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड सितंबर में रिलीज हुई। इस सीरीज ने आर्यन की तीखी कहानी कहने की स्टाइल, दमदार किरदार और ड्रामा व ह्यूमर के बेहतरीन मेल को शानदार तरीके से दिखाया। उनकी मेहनत, क्रिएटिविटी और डेडिकेशन का अब पूरा फल मिल गया है। आर्यन खान ने एक शानदार उपलब्धि हासिल की है, दरअसल द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए वे आईएमडीबी की टॉप 10 डायरेक्टर्स ऑफ 2025 लिस्ट में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के डायरेक्टर और इकलौते वेब–सीरीज डायरेक्टर बन गए हैं। अपने पहले ही प्रोजेक्ट में ऐसी उपलब्धि पाना वाकई कमाल है और यह साफ दिखाता है कि यह उभरता हुआ फिल्ममेकर आगे कितनी बड़ी उड़ान भरने वाला है। द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड ने रिलीज होते ही कई बड़े मुकाम हासिल किए। सीरीज ने नेटफ्लिक्स इंडिया पर लगातार हफ्तों तक नंबर 1 पर ट्रेंड किया, और इसकी सफलता सिर्फ देश तक ही नहीं रही। यह दुनियाभर में भी खूब चली, कई देशों में नंबर 1 पर पहुंची और नेटफ्लिक्स की ग्लोबल नॉन–इंग्लिश टॉप 10 लिस्ट में भी शामिल हुई। इसके साथ ही, सीरीज का मोशन पोस्टर न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर भी दिखा, जो आर्यन और पूरी टीम के लिए गर्व का पल था। आर्यन खान की ये पहली सीरीज सिर्फ चर्चाओं में ही नहीं रही, बल्कि जबरदस्त असर छोड़ गई, और ये साबित कर दिया कि वह एक ऐसे युवा डायरेक्टर हैं जिनमें ग्लोबल लेवल पर भी आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और इसे गौरी खान ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, सहेर बंबा, गौतमी कपूर, रजत बेदी और कई अन्य कलाकारों की शानदार टीम नजर आती है।

आमिर खान की नई फिल्म 'हैप्पी पटेल' का एलान, लीड रोल में वीर दास–मोना सिंह आएंगे नजर

आमिर खान प्रोडक्शंस की अनोखी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल की घोषणा आखिरकार हो ही गई है। यह फिल्म वीर दास के डायरेक्टोरियल डेब्यू को चिन्हित करती है, जिसमें वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे। जैसे इसका टाइटल मजेदार है, वैसे ही मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मजेदार अंदाज में रिलीज किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं। हैप्पी पटेल की घोषणा बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से की गई है। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज में दिखाने वाले हैं। आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है। इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल अलग तरह की सिनेमा आने वाली है। और सबसे खास बात ये है कि आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी कहानियाँ बड़े ही सलीके से पेश करता आया है। लगान, तारे जमीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के बाद, यह फिल्म भी यूनिक सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश है। दिलचस्प बात ये है कि इस बार वो मशहूर स्टैंड–अप कॉमेडियन वीर दास के साथ काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी कॉमेडी स्पेशल्स के साथ दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बल्कि गो गोवा गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। यह फिल्म वीर दास का आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा कोलैबोरेशन है।

'कंतारा' में 'दैव' परंपरा का मजाक उड़ाने के लिए रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह के खिलाफ बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में ऋषभ शेट्टी की फिल्म कंतारा चौप्टर 1 के दैव सीन की नकल करने के लिए शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि एक वकील ने बुधवार को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने फिल्म कंतारा में दिखाई गई पवित्र 'दैव' (भूत कोला) परंपरा का मज़ाक उड़ाकर और उसका अपमान करके धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। आपको बता दें कि गोवा में 56वें ध्ह्इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया के दौरान रणवीर सिंह ने कंतारा में ऋषभ शेट्टी की परफॉर्मेंस की नकल की थी, जिसके कुछ दिनों बाद एक्टर ने अब माफी मांगी है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर रणवीर ने लिखा कि उनका मकसद सिर्फ फिल्म में ऋषभ की परफॉर्मेंस की तारीफ करना था। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा "हमारे देश की हर संस्कृति, परंपरा और विश्वास" का सम्मान किया है।

रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज

कर्नाटक के एक वकील ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पर फिल्म 'कंतारा' में दर्शाई गई 'दैव' (भूत कोला) परंपरा का मजाक उड़ाकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को पुलिस में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि शिकायत के संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

फिल्म 'कंतारा' में दिखाई गई पवित्र 'दैव' परंपरा का खुलेआम मजाक उड़ाया

उन्होंने बताया कि वकील प्रशांत मेथल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों और वीडियो फुटेज का हवाला दिया गया है। अधिकारी के मुताबिक, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 28 नवंबर को गोवा में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के समापन समारोह के दौरान रणवीर ने फिल्म 'कंतारा' में दिखाई गई पवित्र 'दैव' परंपरा का खुलेआम मजाक उड़ाया और उसका अपमान किया।

धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची

इसमें कहा गया है, "मैं यह शिकायत बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के गैरकानूनी और आपत्तिजनक कार्यों की ओर आपका ध्यान तुरंत आकर्षित करने के लिए दर्ज कर रहा हूं, जिससे मेरी और लाखों हिंदुओं, खासकर कर्नाटक के तुलु–भाषी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।" शिकायतकर्ता ने अनुरोध किया कि रणवीर के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, 'दैव' परंपरा का अपमान करने और हिंदू मान्यताओं का मजाक उड़ाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की जाए।

रोजाना सुबह मुनक्का खाने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे, हार्ट हेल्दी रखता

आमतौर पर मुनक्का को काली किशमिश के नाम से भी जाना जाता है। यह बेहद ही स्वादिष्ट और पौष्टिक सुपरफूड है, जो कई तरह से स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। आवश्यक विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। मुनक्का का सेवन करने से पाचन सहायता से लेकर लेकर ह्रदय स्वास्थ्य में सुधार रखता है। आइए जानते हैं मुनक्का के फायदे और इसका सेवन कैसे करें।

मुनक्का का सेवन कैसे करें

–मुनक्का सेवन करने के लिए बेहद आसान तरीका है कि 5 मुनक्कों को रात भर पानी में भिगो दें और फिर अगली सुबह खाली पेट खाएं। बता दें, भिगोने से उनके पोषक तत्वों का अवशोषण बढ़ता है और उन्हें पचना आसान होता है।

–यदि आप मुनक्का को पानी में अच्छे से धो लो। फिर इसका बीज को निकाल दें। अब 5 से 10 मुनक्कों को सींख में डाल दें। फिर आप इसे आंच पर 2–3 मिनट तक चारों तरफ से भून लें। इसको अब एक प्लेट में निकाल लें, थोड़ा काला नमक और काली मिर्च छिड़कें, अच्छी तरह मिलाएं और आनंद लें।

मुनक्का के हेल्थ बेनिफिट्स

इम्यूनिटी बूस्ट होती है

मुनक्का खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ने में मदद करताहै। इसमें एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, यह शरीर के हानिकारक मुक्त कणों से बचाने और संभावित संक्रमणों को रोकता है। अगर आप इसे नियमित रुप से सेवन करते हैं, तो सर्दी–जुकाम जैसी आम बीमारियों से बचा जा सकता है। इसमें आयरन, कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

डायबिटीज रोगियो के लिए फायदेमंद

डायबिटीज के पैशेंट के लिए मुनक्का बेहद फायदेमंद होता है। मुनक्का सेवन से ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इसके सेवन से ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है।

हड्डियों को मजबूत रखती

बोरॉन और कैल्शियम से भरपूर होने के कारण, मुनक्का हड्डियों को मजबूत बनान् में सहायक होता है। बोरोन हड्डियों के निर्माण में मदद करता है। वहीं, कैल्शियम अवशोषण में मदद करता है। जबकि इसमें मौजूद पोटेशियम हड्डियों के विकास में मदद करता है और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकता है।

पाचन को दुरुस्त करता

मुनक्का अपने रेचक गुणों के लिए प्रसिद्ध है। यह कब्ज के लिए एक प्रभावी उपाय बनाती है। इसके अलावा, मुनक्का में फाइबर खूब होता है, जो सुचारू पाचन को बढ़ावा देने में मदद करता है और सूजन को रोकता है। यह मल को नरम करके और नियमित मल त्याग में सहायता करके पाचन स्वास्थ्य को बेहतर करते हैं

वजन घटाने में फायदेमंद

यदि आप अपना अतिरिक्त वजन कम करना चाहते हैं, तो भोजन से पहले मुनक्का का सेवन भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है और वजन घटाने में सहायता करता है। उच्च फाइबर सामग्री और प्राकृतिक मिठास के कारण, मुनक्का आपको भरा हुआ महसूस कराकर, पाचन प्रक्रिया को धीमा करके और मीठे की लालसा को नियंत्रित करके भूख की पीड़ा को रोकने में मदद करता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

यदि आप भी चमकती त्वचा और सुंदर बाल चाहते हैं? तो मुनक्का को अपने आहार में शामिल करें। एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और आयरन जैसे त्वचा के अनुकूल पोषक तत्वों से भरपूर, यह रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और कोशिका पुनर्जनन में मदद करता है जो उम्र बढ़ने के संकेतों से लड़ता है और एक स्वस्थ और चमकदार रंगत को बढ़ावा देता है।

दांतों के लिए फायदेमंद

मुनक्का के सेवन का एक अन्य लाभ दांतों का बेहतर स्वास्थ्य है। कैल्शियम से भरपूर, यह सुपरफूड दांतों के इनेमल को फिर से खनिजयुक्त बनाने और सूजे हुए दांतों और मसूड़ों को कम करने में मदद करता है।

बच्चों को गुड टच और बैड टच में फर्क समझाने के आसान तरीके

हर माता–पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित, समझदार और आत्मविश्वासी बने। बच्चों को यह समझाना कि कौन सा स्पर्श (टच) सही है और कौन सा गलत, उनकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाकर आप अपने बच्चे को यौन शोषण जैसी समस्याओं से बचा सकते हैं। यहां कुछ सरल टिप्स दिए गए हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चे को इन महत्वपूर्ण चीजों के बारे में सिखा सकते हैं।

गुड टच और बैड टच का फर्क समझाएं

अपने बच्चों को सरल भाषा में समझाएं कि गुड टच वह है जिससे वे प्यार और देखभाल महसूस करते हैं। जैसे कि परिवार के किसी सदस्य का गले लगाना या प्यार से सिर पर हाथ फेरना। वहीं, बैड टच वह है जो उन्हें असहज या डरावना महसूस कराए। उन्हें उदाहरण देकर बताएं कि अगर कोई अजनबी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है, तो वह बैड टच है।

शरीर के अंगों के बारे में जानकारी दें

अपने बच्चों को उनके शरीर के अंगों के नाम सिखाएं और बताएं कि शरीर के कौन से हिस्सों को छूना सुरक्षित है और कौन से नहीं। बच्चों को यह समझाएं कि अगर कोई व्यक्ति उनके निजी अंगों को छूने की कोशिश करे या उन्हें अजीब महसूस हो, तो वे तुरंत माता–पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसके बारे में बताएं।

बच्चों के साथ खुलकर बात करें

अपने बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि उनका शरीर सिर्फ उनका है और कोई भी उन्हें बिना उनकी अनुमति के छू नहीं सकता। उनसे कहें कि अगर कभी उन्हें असहज महसूस हो, तो वे बिना किसी झिझक के आपको सबकुछ बताएं। माता–पिता को अपने बच्चों के साथ ऐसा रिश्ता बनाना चाहिए, जिसमें बच्चे खुलकर अपनी हर बात शेयर कर सकें।

कहानियों और उदाहरणों का सहारा लें

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में समझाने के लिए कहानियों या ड्रामा का सहारा लें। यह बच्चों को आसानी से सीखने में मदद करता है। इसके अलावा, स्कूल के टीचर्स से बात करें ताकि वे बच्चों को इन बातों के प्रति जागरूक कर सकें।

अजनबियों से सतर्क रहने की सलाह दें

अपने बच्चों को सिखाएं कि वे कभी भी किसी अजनबी से बातचीत न करें और न ही उनसे कुछ खाएं। उन्हें समझाएं कि अजनबियों से दोस्ती करना खतरनाक हो सकता है। बच्चों को यह भी बताएं कि वे अकेले कहीं न जाएं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ ही रहें।

आत्मरक्षा का महत्व सिखाएं

बच्चों को बताएं कि अगर कोई उन्हें बैड टच करे, तो वे जोर से 'ना' कहें, वहां से भागें और तुरंत किसी भरोसेमंद व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। उन्हें यह सिखाएं कि खुद की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है।

गुड टच और बैड टच का मतलब

गुड टचः ऐसा स्पर्श जो प्यार और देखभाल दर्शाए, जैसे माता–पिता का गले लगाना।

बैड टचः ऐसा स्पर्श जिससे बच्चा डर या असहज महसूस करे, खासकर निजी अंगों को छूने की कोशिश।

इन आसान तरीकों से आप अपने बच्चों को उनकी सुरक्षा के लिए जागरूक बना सकते हैं। याद रखें, आपका बच्चा तभी सुरक्षित रहेगा जब वह आत्मविश्वासी और सतर्क होगा।

सर्दियों में क्यों जरूरी है आंवले का सेवन? जानें इसे खाने के अनोखे फायदे

सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडक तो लाता ही है, लेकिन साथ में स्किन, बाल और पाचन तंत्र से जुड़ी कई समस्याएं भी लेकर आता है। इन समस्याओं का समाधान करने में आंवला बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। यह न केवल आपकी स्किन और बालों को हेल्दी बनाए रखता है बल्कि आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत करता है। आंवला, जिसे इंडियन गूसबेरी भी कहते हैं, सर्दियों के लिए एक सुपरफूड है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह फल हमारे शरीर के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। खास बात यह है कि इसे आप कई तरीकों से खा सकते हैं।

आंवले के फायदे

स्किन के लिए बेहतरीन

आंवला विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है। यह त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाकर उसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। आंवला कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा में कसावट और चमक आती है। यह न केवल झुर्रियों को कम करता है बल्कि त्वचा की लोच को भी बनाए रखता है। सर्दियों में त्वचा अक्सर रूखी हो जाती है, लेकिन आंवला स्किन की नमी बनाए

रखने में मदद करता है और रूखापन कम करता है। इसके नियमित सेवन से काले धब्बे, मुंहासे और त्वचा के अन्य दाग–धब्बे धीरे–धीरे कम होने लगते हैं, जिससे स्किन का रंग और टेक्सचर एक समान हो जाता है।

बालों की देखभाल में मददगार

बालों के लिए आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। सर्दियों में ठंड और ड्राईनेस से बाल कमजोर होकर ज्यादा टूटने लगते हैं, लेकिन आंवला बालों की जड़ों को पोषण देकर इसे मजबूत बनाता है। यह बालों का असमय सफेद होना रोकने में सहायक है, क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बालों को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। आंवला जूस स्कैल्प को हाइड्रेट रखता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या कम होती है। इसका उपयोग न केवल बालों को मजबूत और घना बनाता है, बल्कि यह बालों को एक नेचुरल शाइन भी देता है। इसके अलावा, आंवला बालों की ग्रोथ को तेज करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखता है।

पाचन और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद

सर्दियों में ठंड का असर हमारे पाचन तंत्र पर भी पड़ता है, जिससे पाचन धीमा हो सकता है। आंवला इस समस्या को दूर करता है क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह अपच, एसिडिटी और पेट से जुड़ी अन्य समस्याओं को कम करता है। इसके अलावा, आंवला इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसमें विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को सर्दी–खांसी और फ्लू जैसी आम बीमारियों से लड़ने में मदद करती है। आंवले का नियमित सेवन शरीर को डिटॉक्स करता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। यह सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने का भी काम करता है।

आंवला खाने के आसान तरीके

आंवले का अचार

आंवला का अचार न केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि यह आंवले को लंबे समय तक इस्तेमाल करने का बेहतरीन तरीका भी है। इसमें हल्दी, सरसों का तेल और मसाले मिलाकर इसे और ज्यादा फायदेमंद बनाया जा सकता है। यह भोजन के साथ हेल्दी साइड डिश के रूप में खाया जा सकता है, जो न केवल स्वाद बढ़ाता है बल्कि शरीर को विटामिन और पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

आंवला जूस

सुबह खाली पेट आंवला जूस पीना शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और आपके दिन की शुरुआत ताजगी के साथ करता है। आंवला जूस त्वचा को ग्लोइंग बनाता है, बालों की जड़ों को मजबूत करता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इसे शहद मिलाकर पीने से इसका स्वाद और गुण दोनों बढ़ जाते हैं।

आंवला पाउडर

अगर ताजे आंवले का उपयोग संभव न हो, तो आंवले का पाउडर एक अच्छा विकल्प है। इसे दूध या गुनगुने पानी में मिलाकर पिया जा सकता है। आंवला पाउडर आपके पाचन को बेहतर करता है और शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखता है। इसे नियमित रूप से लेने से स्किन और बालों पर अद्भुत प्रभाव दिखता है।

ताजा आंवला

ताजा आंवला खाना सबसे प्राकृतिक और हेल्दी तरीका है। आप इसे सीधे काटकर खा सकते हैं या इसे हल्का सा उबालकर इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना 1–2 आंवले खाने से आपकी इम्यूनिटी मजबूत होती है और सर्दियों में आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। ताजा आंवला आपके शरीर को विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों का सीधा लाभ पहुंचाता है। सर्दियों में इन तरीकों से आंवले को अपने डाइट में शामिल करें और इसके फायदे का आनंद लें! आंवले का नियमित सेवन स्किन और बालों के लिए चमत्कारी साबित हो सकता है। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह शरीर में सूजन को कम करता है और त्वचा को स्वस्थ बनाता है। इसलिए, इस सर्दी अपने आहार में आंवले को जरूर शामिल करें और इसके हेल्थ बेनिफिट्स का आनंद लें!

सर्दियों में घरेलू उपाय से करें त्वचा की देखभाल करें, स्किन होगी ग्लोइंग

चाहे ठंडी हवा हो या दोपहर की हल्की धूप हो, सर्दी कई मायनों में एक खूबसूरत मौसम है। हालांकि, अगर नजरअंदाज कर दिया जाए तो ठंडी हवा अक्सर हमारी त्वचा को सुस्त और ड्राई बना सकती है। सर्दियों का मौसम हमारी त्वचा और बालों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं सर्दियों में किस तरह त्वचा का ख्याल रखना जरुरी है।

नारियल का तेल

नारियल का तेल त्वचा पर सुरक्षा प्रदान करता है और नमी को बनाए रखता है। नहाने से ठीक पहले इसका प्रयोग आपकी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है, वहीं नारियल का तेल एक्जिमा जैसे संक्रमण का इलाज करने और ड्राई, पपड़ीदार और खुजली वाली त्वचा के लक्षणों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

घी

घी पारंपारिक रुप से त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। घी में मौजूद आवश्यक फैटी एसिड त्वचा को काफी पोषण प्राप्त होता है और स्किन की मरम्मत करना भी जरुरी है। घी किसी मॉइस्चराइजर से कम नहीं है। घी को चेहरे और होठों पर थोड़ी सी मात्रा लगाने से ड्राई स्किन से निपटा जा सकता है।

शहद

शहद का प्रयोग मॉइस्चराइजर के रुप में किया जा सकता है। शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन को जवान और चमकदार बनाता है। यह चेहरे की महीन रेखाएं और झुर्रियों कम करता है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होता हैं, जो मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो समय से पहले बूढ़ा होने का प्रमुख कारणों में से एक होता है। अगर आप फेस पर शहद का बना हुए पैक लगाते हैं, तो स्किन मुलायम बनाती है।

हल्दी

सर्दी के दौरान हल्दी का प्रयोग त्वचा के लिए बेहद लाभकारी होता है। क्योंकि यह ड्राई त्वचा, मुंहासे और सुस्ती से निपटने में मदद कर सकती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक चमक को लाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन सेंसिटिव या ऑलीय त्वचा वाले लोगों को इसके प्रयोग नहीं करना चाहिए।

मलाई

मलाई में प्राकृतिक एंजाइम शामिल होते हैं जो त्वचा को धीरे से एक्सफोलिएट करते हैं, मृत कोशिकाओं को हटाते हैं और सेल टर्नओवर को बढ़ावा देते हैं। मलाई चमकदार रंगत पाने और अक्सर सर्दियों की त्वचा से जुड़ी सुस्ती से निपटने में मदद करता है। हालांकि, तैलीय त्वचा वाले लोगों को इसे अधिक समय तक नहीं रखना चाहिए और इसके बाद किसी सौम्य फेसवॉश से अपना चेहरा धोना जरुरी है।

संक्षिप्त

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने की डीजीसीए ने शुरू की जांच, समाधान योजना का ब्योरा मांगा

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि इंडिगो की उड़ानों में बड़े स्तर पर हो रही देरी और रद्दीकरण की जांच शुरू कर दी गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन से मौजूदा स्थिति के कारणों और अगले दिनों में सेवाओं को सामान्य करने की उसकी योजना का विस्तृत ब्योरा भी पेश करने को कहा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विभिन्न हवाई अड्डों पर 100 से अधिक उड़ानें रद्द कीं, जबकि कई उड़ानें बहुत देर से संचालित हुईं। इसके लिए चालक दल की कमी को जिम्मेदार बताते हुए अगले 48 घंटे के लिए उड़ान कार्यक्रम में 'संतुलित समायोजन' की घोषणा की गई है। डीजीसीए ने बयान में कहा कि वह इस स्थिति की जांच कर रहा है और एयरलाइन के साथ मिलकर ऐसे कदम ढूंढ रहा है, जिनसे उड़ानों के रद्दीकरण एवं देरी को कम किया जा सके और यात्रियों को होने वाली असुविधा को घटाया जा सके। डीजीसीए ने कहा, ''इंडिगो को डीजीसीए मुख्यालय में पेश होकर यह बताना होगा कि मौजूदा अव्यवस्था किस कारण हुई और इसे दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं।'' इंडिगो द्वारा हाल में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में कुल 1,232 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें से 755 उड़ानें चालक दल की उपलब्धता और एफडीटीएल नियमों का अनुपालन न हो पाने के कारण रद्द करनी पड़ीं।

रुपया शुरुआती कारोबार में 28 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डश्वलर पर

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 28 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिए गए निर्णय की घोषणा शुक्रवार को किए जाने से पहले केंद्रीय बैंक के सीमित हस्तक्षेप

और आयातकों की डॉलर की भारी मांग के कारण रुपये की विनिमय दर में लगातार गिरावट आ रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.36 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 28 पैसे और टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 90.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बुधवार को रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 का स्तर पार कर 90.15 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

कभी भारत में सबसे अधिक फोन बेचने वाली कंपनी ने किया एयरटेल संग करार, दोनों मिलकर कर रहे ये प्लानिंग

नई दिल्ली। कभी देश में सबसे ज्यादा मोबाइल फोन बेचने वाली फिनलैंड की कंपनी नोकिया भारत में एक बार फिर एक बड़े करार के साथ वापसी की है। कंपनी ने भारती एयरटेल के साथ हाथ मिलाया है ताकि दूरसंचार ऑपरेटर की नेटवर्क क्षमताएं पूरे भारत में डेवलपर्स और उद्यमों के लिए उपलब्ध कराई जा सके। नोकिया ने बताया है कि इस सहयोग का उद्देश्य एक डेवलपर पोर्टल के साथ नोकिया के नेटवर्क ऐज कोड

प्लेटफॉर्म के जरिए एयरटेल के अखिल भारतीय नेटवर्क को थर्ड पार्टी इनोवेशंस के लिए खोलना है। यह साझेदारी डेवलपर्स और व्यवसायों को सब्सक्रिप्शन के आधार पर एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से एयरटेल के नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करेगी। यह पहुंच एयरटेल को 5ळ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एज कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों का उपयोग करके उन्नत डिजिटल समाधान बनाने में सक्षम बनाएगी। इस कदम से डेवलपर्स को नए उत्पाद बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है, साथ ही एयरटेल को अपने नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर से राजस्व के नए स्रोत खोजने में भी मदद मिलेगी। सफल परीक्षणों के बाद, इस पहल को सिस्टम इंटीग्रेटर्स और उद्यमों सहित व्यापक डेवलपर आधार के लिए लागू किया जाएगा। नोकिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से, डेवलपर्स दूरसंचार तकनीक से जुड़ी जटिलताओं को समझे बिना, नेटवर्क कार्यों को आसानी से अंजाम दे सकते हैं। यह कोशिश देश के दूरसंचार क्षेत्र में एक व्यापक बदलाव लाएगी जिससे नेटवर्क एपीआई नवाचार और मुद्रीकरण के प्रमुख चालक बन रह सकेंगे। एयरटेल बिजनेस के सीईओ शरत सिन्हा ने कहा, एयरटेल में, हम भविष्य के लिए तैयार नवाचारों के लिए सहयोग के लिए इकोसिस्टम जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता के तहत, हमें आज नेटवर्क एपीआई के लिए नोकिया के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है और हम पारिस्थितिकी तंत्र को स्वचालन और सुरक्षित व नवीन डिजिटल सेवाओं के निर्माण हेतु हमारी नेटवर्क क्षमताओं का लाभ उठाने में सक्षम बना रहे हैं। नोकिया के भारत में क्लाउड और नेटवर्क सेवाओं के प्रमुख, अरविंद खुराना ने कहा, एयरटेल के साथ हमारी साझेदारी नेटवर्क ऐज कोड पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दूरसंचार प्रदाताओं को उनके नेटवर्क निवेश का मुद्रीकरण करने में मदद करने और डेवलपर समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को जाहिर करता है।

रूट का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला शतक, 264 रन पर इंग्लैंड के नौ विकेट

ब्रिसबेन। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा में पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। यह दिन–रात्रि टेस्ट है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी जारी रखी और इंग्लैंड को लगातार झटके दिए। स्टार्क ने एटकिंसन को आउट करने के बाद ब्रायडन कार्स को पवेलियन भेजा। कार्स खाता भी नहीं खोल सके। इंग्लैंड ने 264 रन पर नौ विकेट गंवाए हैं। जो रूट शतक लगाकर टिके हुए हैं।

रूट का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहला शतक

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। रूट के करियर का यह कुल 40वां टेस्ट शतक है। इससे पहले रूट ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर कभी सैकड़ा नहीं जड़ा था। रूट ने ऐसे समय टीम को संभाला, जब मिचेल स्टार्क की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड को लगातार झटके दिए।

स्टार्क ने दिए शुरुआती झटके

ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शानदार शुरुआत दिलाई। स्टार्क ने इंग्लैंड को शुरुआती झटके दिए। इंग्लैंड की ओर से जैक क्राउली और बेन डकेट पारी की शुरुआत करने उतरे, लेकिन स्टार्क ने पहले ही ओवर में टीम को सफलता दिलाई। स्टार्क ने डकेट को लाबुशेन के हाथों कैच कराया। डकेट खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद नए बल्लेबाज के रूप में उतरे ओली पोप भी तीन गेंद खेलकर खाता खोले बिना आउट हो गए। उन्हें स्टार्क ने बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखाई। जैक क्राउली और जो रूट ने शुरुआती झटकों के बाद इंग्लैंड की पारी को संभाला जिससे पहले दिन चायकाल तक इंग्लैंड ने पहली पारी में दो विकेट पर 98 रन बनाए थे।

रूट–क्राउली की साझेदारी

शुरुआती झटके के बाद रूट और क्रावले ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। लेकिन दूसरे सत्र में माइकल नेसर ने क्रावले और रूट के बीच साझेदारी को तोड़ दिया। क्रावले 93 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। क्राउली और रूट ने तीसरे

विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी की। इसके बाद रूट और हैरी ब्रूक ने टीम को संभाला, लेकिन मिचेल स्टार्क ने ब्रूक को अपना शिकार बनाया। ब्रूक 33 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। बेन स्टोक्स एक रन चुराने के चक्कर में इंग्लिस से डायरेक्ट थ्रो पर रन आउट हुए। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने जेमी स्मिथ को पवेलियन भेजा। स्टोक्स 19 रन बना सके, जबकि स्मिथ खाता नहीं खोल पाए।

स्टार्क ने लिए छह विकेट

इसके बाद स्टार्क ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विल जैक्स को पवेलियन की राह दिखाई। जैक्स 31 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुए। स्टार्क ने फिर गस एटकिंसन को आउट कर इंग्लैंड को आठवां झटका दिया। एटकिंसन चार रन बनाकर आउट हुए। स्टार्क ने इस तरह पांच शिकार पूरे किए। स्टार्क ने एटकिंसन को आउट करने के बाद ब्रायडन कार्स को पवेलियन भेजा। कार्स खाता भी नहीं खोल सके।

इंग्लैंड ने जीता टॉस

इससे पहले, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। स्टोक्स ने टॉस के दौरान बताया कि यहां की परिस्थितियां अलग है इसलिए वह पहले बल्लेबाजी करना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम में नाथन लियोन की जगह माइकल नेसर और उस्मान ख्वाजा की जगह जोश इंग्लिस को प्लेइंग–11 में जगह दी गई है।

दोनों टीमों की प्लेइंग–11

इंग्लैंडः जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटिंकसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

ऑस्ट्रेलियाः जैक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

53 शतक और 34 वेन्यू, भारत नहीं; कोहली ने श्रीलंका-बांग्लादेश के इन शहरों में लगाए सर्वाधिक सैकड़े

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। कोहली फिलहाल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में शतक लगा चुके हैं। 2027 वनडे विश्व कप में खेलने के लिए प्रयासरत कोहली ने लगातार दो शतक लगाकर साबित कर दिया है उनके अंदर रन बनाने की भूख अभी भी बाकी है। कोहली अब तक वनडे में 53 शतक लगा चुके हैं और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी एक प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

रायपुर में दिखा कोहली का पुराना अंदाज

कोहली अपने पुराने रंग में नजर आ रहे हैं। कोहली ने इससे पहले रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी और फिर रायपुर में भी उन्होंने इस फॉर्म में जारी रखते हुए शतक लगाया। कोहली का यह वनडे में 53वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 84वां शतक है। कोहली वनडे में शतक लगाने के मामले में सभी से काफी आगे निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 100 शतक लगाए हैं। कोहली दूसरे मैच में 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए।

सबसे आगे निकले कोहली

कोहली ने 11वीं बार वनडे में लगातार दो शतक लगाए हैं और वह इस मामले में सभी से काफी आगे हैं। भारत ही क्या अन्य कोई भी देश का बल्लेबाज इस मामले में उनके करीब भी नहीं है। दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स

हैं जिन्होंने वनडे में छह बार लगातार दो शतक लगाए हैं। कोहली का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह वनडे में लगातार तीसरा शतक है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने वनडे विश्व कप 2023 में नाबाद 101 रन बनाए थे। इसके बाद रांची में 135 रन और अब 102 रनों की पारी खेली।

सचिन की बराबरी पर पहुंचे विराट

कोहली ने वनडे में 34 वेन्यू पर शतक लगाए हैं।

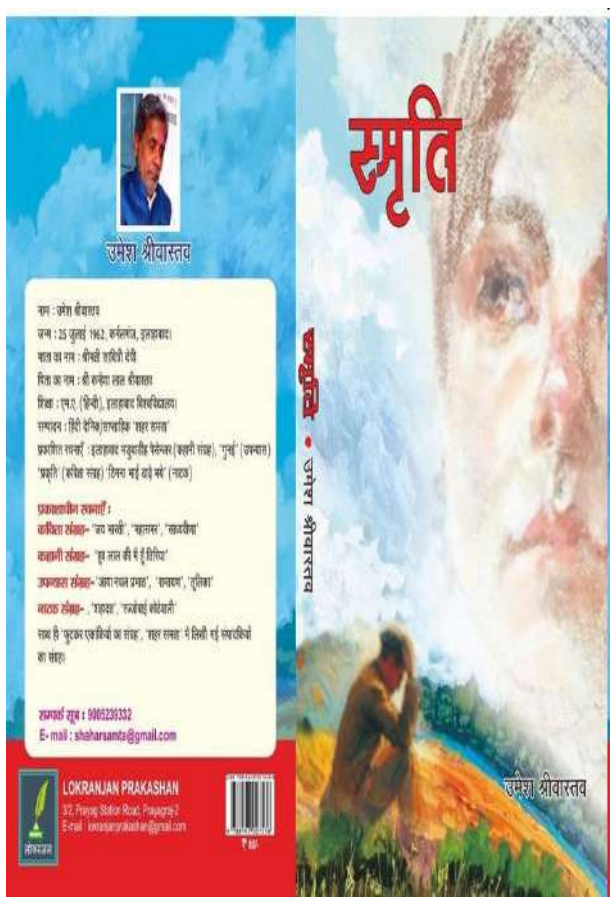

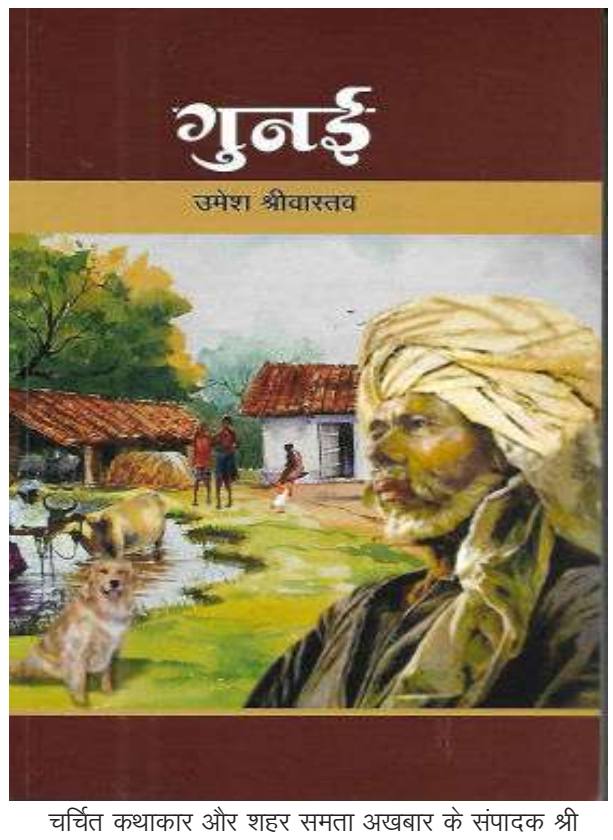

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

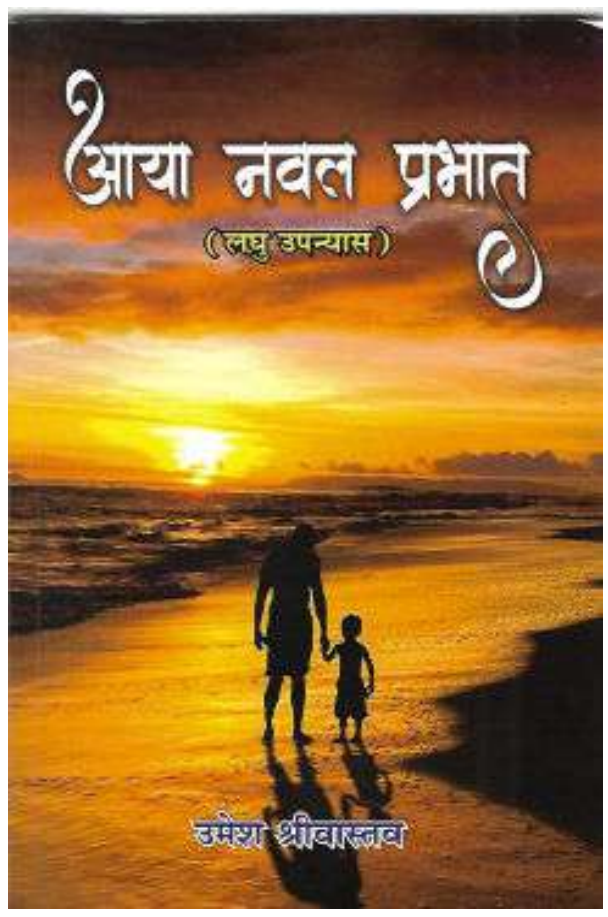

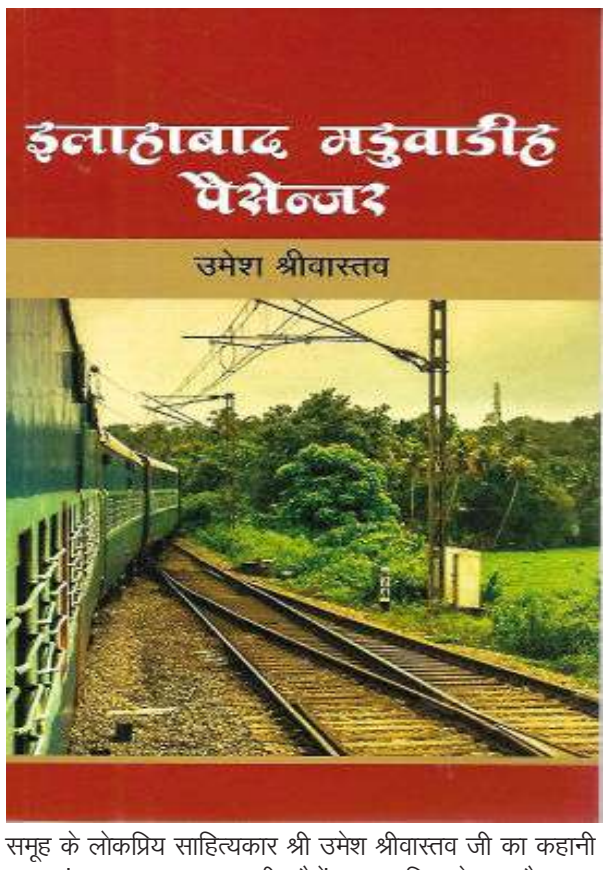

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

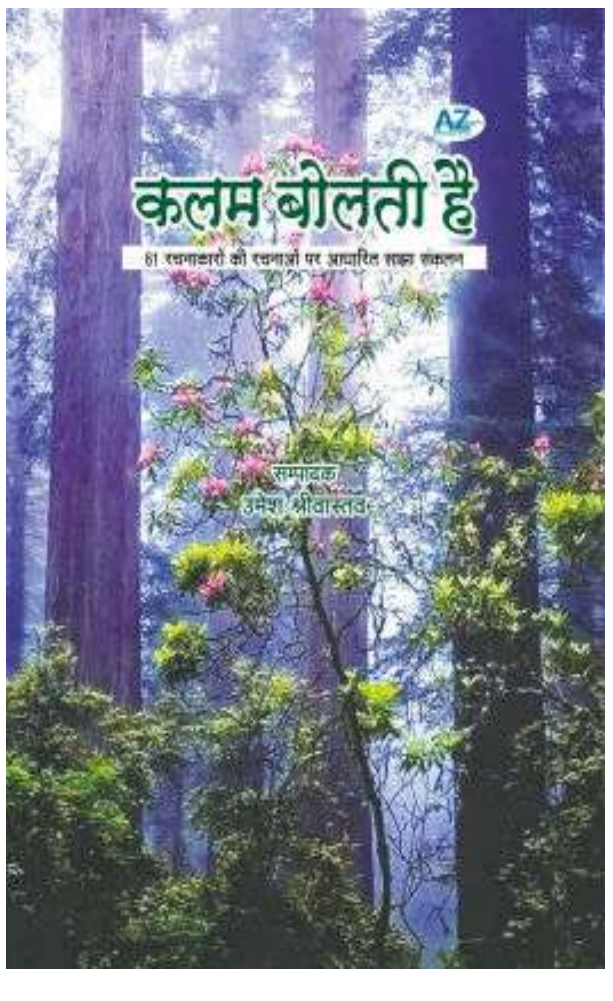

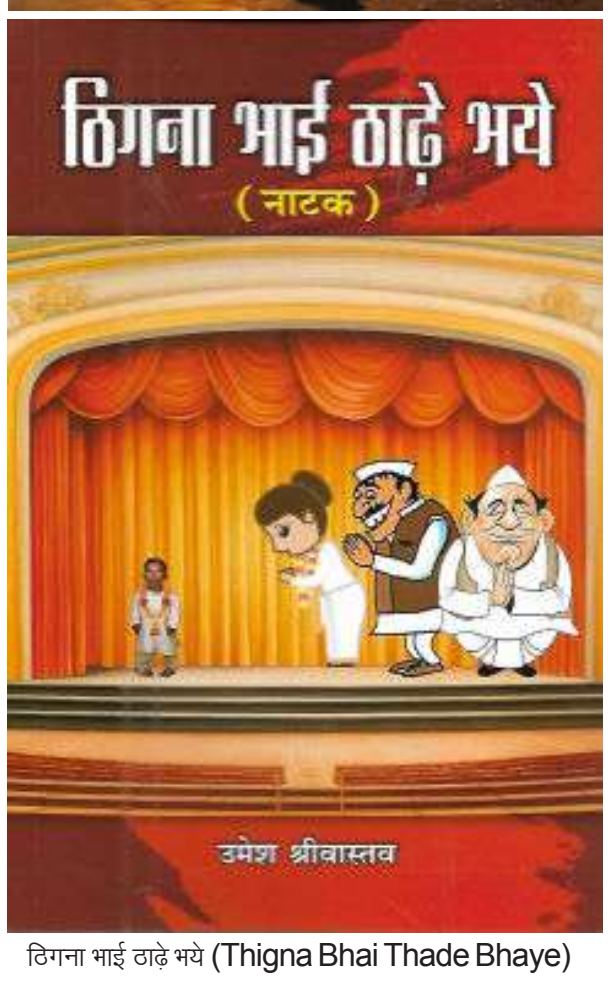

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कैलिफ़ोर्निया के रेगिस्तान में एफ–16 फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

अमेरिकी वायुसेना के विशिष्ट 'थंडरबर्ड्स' दस्ते का एक लड़ाकू विमान दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के रेगिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि पायलट समय रहते सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने में सफल रहा। सेना ने यह जानकारी दी। सैन बर्नार्डिनो काउंटी के दमकल विभाग के अनुसार, पायलट का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसे

जानलेवा चोट नहीं लगी हैं। नेवादा में स्थित 'नेलिस एयर फ़ोर्स बेस' की ओर से जारी बयान के अनुसार, एफ–16सी फाइटिंग फाल्कन बुधवार सुबह लगभग 10:45 बजे कैलिफोर्निया में ''नियंत्रित हवाई क्षेत्र'' में प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दमकल विभाग ने बताया कि विमान लॉस एंजिलिस से 290 किलोमीटर उत्तर में स्थित मोजावे रेगिस्तान के ट्रोना के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इससे पहले 2022 में भी ट्रोना के पास नौसेना का एक एफ/ए–18ई सुपर हॉर्नेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें पायलट की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, कोई हताहत नहीं

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार तड़के 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके राजधानी ढाका और आसपास के जिलों में महसूस किये गए। समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 14 मिनट पर आया और उसका केंद्र नरसिंगडी में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि भूकंप से जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। खबर के अनुसार भूकंप का केन्द्र कम गहराई पर होने के कारण ढाका और आसपास के जिलों के निवासियों को हल्के झटके ही महसूस हुए। बांग्लादेश भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। पिछले महीने भी ढाका और नरसिंगडी सहित देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये गए थे जिसकी तीव्रता 5.7 थी और इसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका के ओमाहा में हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल, हमलावर ढेर

ओमाहा में एक गैस स्टेशन पर हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए, जबकि संदिग्ध हमलावर मारा गया। पुलिस प्रमुख टॉड श्माडरर ने बताया कि संदिग्ध हमलावर की उम्र 20 वर्ष के आसपास थी, जिसने दोपहर के समय किराने की दुकान पर पहले 61 वर्षीय व्यक्ति केसीने पर कई गोलियां मारी थीं। अधिकारियों ने घटनास्थल से संदिग्ध की कार की लाइसेंस प्लेट नंबर हासिल की और उसकी कार का पीछा करते हुए गैस स्टेशन तक पहुंचे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि बुधवार को अधिकारियों ने संदिग्ध को कार से उतरकर शौचालय में जाते हुए देखा। जब वह बाहर निकला, तो उसने अधिकारियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान दो अधिकारियों को गोली लगी और एक तीसरा अधिकारी छर्रे लगने से घायल हुआ। अधिकारियों की जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध हमलावर मारा गया। ओमाहा पुलिस के अनुसार, घायल अधिकारियों की चोटें जानलेवा नहीं हैं और उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। छर्रे लगने से घायल हुए अधिकारी को बाद में छुट्टी दे दी गई। गोलीबारी के पहले शिकार हुए व्यक्ति की हालत के बारे में अभी कोई जानकारी स्पष्ट नहीं है।

इजराइल ने चरमपंथियों के हमले के बाद Southern Gaza में हवाई हमला किया

इजराइल ने कहा कि उसने चरमपंथियों के हमले में पांच सैनिकों के घायल होने के बाद पूर्वी गाजा में हमास के खिलाफ हवाई हमले किए हैं। बुधवार देर रात हुए इस हमले को दोनों पक्षों के बीच जारी संघर्ष विराम के लिए एक नयी परीक्षा माना जा रहा है, जो इजराइल और हमास दोनों की ओर से संघर्ष विराम उल्लंघन किए जाने के आरोप–प्रत्यारोपों के बीच अक्टूबर की शुरूआत से जारी है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने बुधवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। सेना के अनुसार, चरमपंथी एक भूमिगत सुरंग से निकले और अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में इजराइली सैनिकों पर हमला किया। इजराइली सेना ने कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर रफह में भूमिगत सुरंग से चरमपंथियों द्वारा किए गए हमले में पांच इजराइली सैनिक घायल हो गए, जिनमें से एक गंभीर रूप से जख्मी है। सेना ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र में हुए इस हमले को संघर्ष विराम का उल्लंघन बताया और कहा कि उसने जवाबी हमला किया है। गाजा शहर में इजराइली हमले में फलस्तीनी व्यक्ति की मौत हो गई। एक अस्पताल ने यह जानकारी दी। अल–अहली अस्पताल के अनुसार इजराइली सैनिकों ने पड़ोसी जैतून इलाके में 46 वर्षीय व्यक्ति को गोली मार दी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इजराइली सेना से इस हमले पर प्रतिक्रिया के लिए अनुरोध किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

एअर इंडिया दुर्घटनाग्रस्त में मारे गए लोगों के शवों में `उच्च मात्रा में' विषाक्त पदार्थ मिले : रिपोर्ट

लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ब्रिटेन भेजे गए शवों को संभालते समय लंदन के शवगृह के कर्मचारी ''खतरनाक रूप से उच्च'' स्तर के विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आए थे। एक वरिष्ठ कोरोनर (न्यायिक अधिकारी) ने यह जानकारी दी। अहमदाबाद में 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 787 विमान में सवार 53 ब्रिटिश नागरिकों की मौत संबंधी जांच का नेतृत्व कर रहीं प्रोफेसर फियोना विलकॉक्स ने मंगलवार को 'भविष्य में मौतों की रोकथाम संबंधी रिपोर्ट' जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि लंदन के वेस्टमिंस्टर सार्वजनिक शवगृह में लाए गए शवों में फॉर्मलिन की अत्यधिक मात्रा पाई गई। फॉर्मलिन अत्यधिक विषाक्त पदार्थ होता है, जो श्वसन तंत्र में

गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। डॉ. विलकॉक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''अभी तक किसी भी मृत्यु–जांच (इनक्वेस्ट) की सुनवाई शुरू नहीं हुई है। यह रिपोर्ट मेरे उस दायित्व के आधार पर तैयार की गई है, जो विनियम 28 के तहत लागू होता है। इस दायित्व का इस्तेमाल किया गया, क्योंकि जिन मृत व्यक्तियों के शवों को ब्रिटेन वापस भेजा गया, उन्हें जिस तरीके से संरक्षित किया गया और लाया गया, उसने शवगृह में काम करने वाले सभी लोगों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''फॉर्मलिन का स्तर अत्यंत खतरनाक पाया गया तथा शवगृह में कार्बन मोनोक्साइड और सायनाइड भी खतरनाक मात्रा में मिले। यह स्थिति तब सामने आई, जब ताबूत खोले गए और विदेश से लाए गए मृतकों के शवों की पट्टियां हटाई गईं।'' डॉ. विलकॉक्स ने कहा, ''शवगृहों में फॉर्मलिन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं है। यह खतरा शवगृह का उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए होता है।'' रिपोर्ट में एअर इंडिया के विमान के उड़ान भरने के मात्र 32 सेकंड बाद 600 फुट की ऊंचाई से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त होने का जिक्र किया गया है। इस हादसे में विमान में सवार कुल 242 लोगों में से एक को छोड़कर सभी और जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट में कोरोनर ने भविष्य में होने वाली मौतों को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया है। उन्होंने ब्रिटेन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल तथा आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार विभागों से 56 दिनों के भीतर जवाब देने की अपेक्षा की है। ब्रिटिश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, ''इस हादसे में मारे गए सभी लोगों के परिवारों के साथ हमारी गहरी संवेदनाएं हैं।'' प्रवक्ता ने कहा, ''यह एक बेहद चौंकाने वाला मामला है। हम भविष्य में होने वाली मौतों की रोकथाम से जुड़ी सभी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हैं और उनसे सीखते हैं तथा हम औपचारिक रूप से प्रतिक्रिया देने से पहले इस पर पूरी तरह से विचार करेंगे।

`यूक्रेन युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत मुश्किल काम', अमेरिकी प्रतिनिधियों की बैठक के बाद पुतिन का बयान

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बयान में कहा है कि रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों से हुई बातचीत जरूरी और काम की थी, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि ये एक मुश्किल काम भी है। पुतिन ने बताया कि कई प्रस्तावों पर क्रेमलिन सहमत नहीं है। पुतिन का यह बयान मॉस्को में अमेरिकी प्रतिनिधियों जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी अधिकारियों की पांच घंटे लंबी बैठक के बाद सामने आया है।

शांति प्रस्ताव के कुछ बिंदुओं पर रूस की असहमति

बैठक में रूस की ओर से राष्ट्रपति पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव और विशेष दूत किरिल दिमित्रिव शामिल हुए। बैठक के बाद यूरी उशाकोव ने कहा कि अभी तक कोई समझौता

नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कुछ प्रस्तावों पर रूस सहमत है, लेकिन कुछ प्रस्ताव उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि अमरीका ने 28–सूत्रीय शांति प्रस्ताव पेश किया है, जिसे यूक्रेन और यूरोपीय देशों के विरोध के बाद संशोधित किया गया है। इस शांति प्रस्ताव के कुछ प्रावधानों पर रूसी राष्ट्रपति सहमत हैं, लेकिन कुछ पर उन्हें आपत्ति है। उसी तरह यूक्रेन ने भी कुछ मुद्दों पर सहमति तो कुछ को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। रूसी राष्ट्रपति ने रूसी और अमेरिकी अधिकारियों की बैठक के बाद कहा, यह एक जरूरी और काम की बातचीत थी। यह मुश्किल काम है। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की पहल पर रूस–यूक्रेन युद्ध में शांति की कोशिशों में तेजी आई है। हालांकि रूस और यूक्रेन को श्रेड लाइन्सश प्रस्तावों को सुलझाना अभी भी टेढ़ी खीर बना हुआ है।

यूरोप को पुतिन की धमकी

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ रूसी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात से पहले यूरोप को धमकी देते हुए कहा कि हम यूरोप के साथ जंग नहीं चाहते, लेकिन अगर यूरोप जंग चाहता है तो हम तैयार हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हम यूरोप के साथ जंग नहीं करने जा रहे हैं, मैंने पहले ही कहा है। लेकिन अगर यूरोप अचानक हमारे साथ जंग छेड़ना चाहता है, तो हम तुरंत तैयार हैं। उन्होंने यह भी धमकी दी कि अगर यूरोप रूस के साथ जंग शुरू करता है, तो श्ऐसी स्थिति बन सकती है जिसमें बातचीत करने के लिए कोई नहीं होगा।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, यूनुस सरकार ने लगाए ये गंभीर आरोप

ढाका। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जारी कानूनी कार्रवाइयों ने नया मोड़ ले लिया है। ढाका के एक विशेष अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विदेश में रह रहे बेटे सजीब वाजेद जॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब हसीना को पिछले महीने जुलाई विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। ट्राइब्यूनल ने बताया कि जॉय पर भी जुलाई विद्रोह के दौरान

मानवता विरोधी अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। इसी मामले में तत्कालीन आईसीटी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है, जो पहले से जेल में हैं। जॉय हसीना सरकार में आईसीटी मामलों के सलाहकार थे। हालांकि वो अमेरिका में रहते हैं और ट्राइब्यूनल के समन का अब तक जवाब नहीं दे रहे हैं। अभियोजकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप स्पष्ट हैं और ट्रायल में अनुपस्थित रहने के कारण अब गिरफ्तारी वारंट आवश्यक हो गया।

जुलाई विद्रोह और सत्ता परिवर्तन

जुलाई 2025 में छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक जनआंदोलन ने शेख हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका। यह आंदोलन बाद में जुलाई विद्रोह के नाम से जाना गया। आंदोलन के दौरान भारी हिंसा हुई और अंतरिम सरकार ने जनवरी में 834 जुलाई योद्धाओं की मौतों की सूची जारी की। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच 1,400 मौतों का अनुमान दिया था, जिसमें पुलिस और अवामी लीग कार्यकर्ताओं के खिलाफ बदले की हिंसा भी शामिल थी।

मौत की सजा और अन्य बड़े फैसले

इसी विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में ट्राइब्यूनल ने पहले ही शेख हसीना और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जामान खान कमाल को मौत की सजा सुनाई है। उनका ट्रायल अनुपस्थिति में हुआ क्योंकि दोनों देश छोड़ चुके थे। अदालत ने माना कि आंदोलन को कुचलने के लिए सरकारी कार्रवाई बेहद क्रूर और योजनाबद्ध थी, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और दमन शामिल था।

अन्य नेताओं पर भी कार्रवाई तेज

ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को एक और मामले में पूर्व विधि मंत्री अनिसुल हक और पूर्व निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान के खिलाफ भी औपचारिक आरोप स्वीकार कर लिए। यह मामला कर्फ्यू लागू होने के बाद कथित सामूहिक हत्याओं से जुड़ा है। दोनों नेता पहले से जेल में हैं और अदालत ने उन्हें 10 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। इसी मामले में पूर्व आईसीटी राज्य मंत्री पलक को भी अदालत में पेश होना होगा।

राजनीतिक भविष्य पर बड़ा सवाल

इन कार्रवाइयों के बाद बांग्लादेश की राजनीति में तनाव और गहराता दिख रहा है। हसीना और उनके सहयोगियों पर लगातार बढ़ती कानूनी कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि जुलाई विद्रोह के बाद नई व्यवस्था पुरानी सत्ता के खिलाफ व्यापक जवाबदेही की प्रक्रिया चला रही है। जॉय के खिलाफ जारी वारंट से यह संकेत मिलता है कि जांच का दायरा अब देश के बाहर बैठे नेताओं तक भी पहुंच चुका है, जिससे आने वाले दिनों में राजनीतिक उथल–पुथल और गहरी हो सकती है।

ईसाइयों के खिलाफ हिंसा में शामिल नाइजीरियन लोगों पर वीजा प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका

अमेरिका ने घोषणा की है कि वह नाइजीरिया में ईसाइयों के खिलाफ सामूहिक हत्याओं और हिंसा में शामिल इस पश्चिम अफ्रीकी देश के नागरिकों और उनके परिवारों के सदस्यों पर वीजा प्रतिबंध लगाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई पश्चिम अफ्रीकी देश में लंबे समय से जारी जटिल सुरक्षा संकट का हिस्सा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में नाइजीरिया में ''चरमपंथी इस्लामवादियों'' द्वारा ''ईसाइयों की हत्या'' का जिक्र किया था। पिछले महीने ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन को ईसाई उत्पीड़न के दावों के मद्देनजर नाइजीरिया में संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना शुरू करने का भी आदेश दिया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ''अमेरिका, नाइजीरिया और उससे बाहर चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों, फुलानी जातीय मिलिशिया और अन्य हिंसक तत्वों द्वारा ईसाइयों के खिलाफ सामूहिक हत्याओं और हिंसा के जवाब में निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह नीति धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन में शामिल अन्य सरकारों या व्यक्तियों पर भी लागू होगी और ये प्रतिबंध आप्रवासन एवं राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत एक नयी नीति के अनुरूप हैं।

अमेरिका का 2026 में नए जी20 का आयोजन करने का एलान, दक्षिण अफ्रीका को बाहर कर पोलैंड को दी जगह

वॉशिंगटन। अमेरिका की सरकार ने गुरुवार को वैश्विक आर्थिक मंच को नया आकार देने की कोशिश करते हुए अगले जी20 सम्मेलन के आयोजन का एलान किया। अमेरिका ने इसे नया जी20 करार दिया। दरअसल अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका को इस सम्मेलन से बाहर करने का एलान किया है और पोलैंड को शामिल किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने दक्षिण अफ्रीका पर भेदभाव और कट्टरपंथी एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया किन मुद्दों पर फोकस करेगा नया जी20

एक ब्लॉग पोस्ट में अमेरिकी विदेश मंत्री ने लिखा, अमेरिका नए जी20 का स्वागत करता है। जी20 2026 का आयोजन दिसंबर 2026 में फ्लोरिडा के मियामी में होगा। साल 2009 के बाद पहली बार अमेरिका जी20 का आयोजन करने जा रहा है। रुबियो ने बताया कि नया जी20 तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित

है, जिनमें रेगुलेटरी बोझ को हटाना, किफायती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति सप्लाई चेन, एआई जैसी अहम तकनीक पर फोकस शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका सरकार पर साधा निशाना

मार्को रुबियो ने पोलैंड को भी जी20 सम्मेलन में शामिल करने की जानकारी दी। रुबियो ने दक्षिण अफ्रीका की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की तीखी आलोचना की और दक्षिण अफ्रीका में कथित तौर पर मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं से आंखें मूंदने का आरोप लगाया। ऐसा पहली बार नहीं है कि ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण अफ्रीका की सिरिल रामाफोसा सरकार की निंदा की है। ट्रंप ने कुछ दिनों पहले ही 2026 में होने वाले जी20 सम्मेलन से दक्षिण अफ्रीका को बाहर करने का एलान किया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को निराशाजनक बताया। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका के साथ कूटनीतिक संबंध सुधारने के राष्ट्रपति रामाफोसा के कई प्रयासों और बार–बार की गई कोशिशों के बावजूद श्सजा देने वाले कदमश जारी रखे हैं।

अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के संबंधों में क्यों आई गिरावट

अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच संबंधों में गिरावट तब शुरू हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के खिलाफ नरसंहार का आरोप लगाया। हालांकि ट्रंप ने अपने दावे के पक्ष में कोई सबूत नहीं दिए। इसी नाराजगी के चलते ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हुए हालिया जी20 सम्मेलन में शिरकत करने से इनकार कर दिया। इसी विवाद के बीच दक्षिण अफ्रीका ने जी20 अध्यक्षता का गवेल अमेरिकी दूतावास के जूनियर अधिकारियों को सौंपने से मना कर दिया। इससे अमेरिकी सरकार नाराज हो गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।